आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली के निवर्तमान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लिए शुक्रवार को सरकारी आवास की मांग की और कहा कि एक राष्ट्रीय पार्टी का संयोजक होने के नाते वह इसके हकदार हैं

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः29 अंकः280 दिनांकः 21-09-2024 शनिवार मूल्यः1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 अहमदाबाद M

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ओडिशा के एक थाने में एक सैन्य अधिकारी पर कथित हमले और उसकी मंगेतर के साथ ''यौन दुर्व्यवहार'' की घटना को लेकर शुक्रवार को भाजपा पर निशाना साधा और दावा किया कि भाजपा सरकार में महिलाओं के विरुद्ध अपराध पूरी तरह बेकाबू है।

नया कीर्तिमान... सेंसेक्स 1400 अंक चढ़ा, निफ्टी में भी शानदार तेजी

निवेशकों को 6.36 लाख करोड़ का मुनाफा

मुंबई (ईएमएस)। सप्ताह के आखिरी दिन शुक्रवार को शेयर बाजार में सभी रिकॉड ध्वस्त हो गए। अमेरिकी फेड की ओर से इन्टरेस्ट रेट में कटौती के दो दिन बाद भारतीय शेयर बाजार ने नया कीर्तिमान रचा है। शेयर बाजार अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। बाजार बंद होने से कुछ देर पहले सेंसेक्स 1500 अंक चढक़र 84,694.46 पर था, लेकिन बाजार बंद होने के बाद सेंसेक्स 1359.51 अंक चढक़र 84,544.31 पर था। निफ्टी की बात करें तो इसमें आज 400 अंकों से ज्यादा तेजी देखी गई, जिसने अपना ऑल टाइम रिकॉर्ड तोड़ते हुए 25,849.25 पर पहुंच गया। हालांकि बाजार बंद होने पर निफ्टी 50 375 अंक उछलकर 25,790.95 पर आ गया। निफ्टी बैंक में 755 अंक की बढ़ोतरी देखने को मिली। यह 53,793 अंक पर बंद हुआ। गुरुवार को बीएसई मार्केट कैप 4,65,47,277.72 करोड़ रुपये था, जो शुक्रवार को बंद होने तक 6.36 लाख करोड़ रुपये बढक़र 4,71,84,122 करोड़ रुपये हो गया। यानी निवेशकों को 6.36 लाख करोड़ का प्रॉफिट हुआ है।

गौरतलब है कि शुक्रवार सुबह शेयर बाजार में सुस्त शुरुआत हुई थी, लेकिन एक घंटे बाद शेयर बाजार में रैली शुरू हो गई और देखते ही देखते शेयर बाजार ने सभी रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। सेंसेक्स 83,603.04 पर खुला था, जबकि निफ्टी 25,525.95 पर खुला था। बीएसई सेंसेक्स के टॉप 30 शेयरों में से 28 शेयरों में उछाल देखने को मिला। जबकि दो शेयर गिरावट पर थे। शेयर बाजार के आज हॉट स्टॉक एमएंडएम, आईसीआईसीआई बैंक और जेएसडब्ल्यू स्टील रहे। इन शेयरों में 6 फीसदी तक की उछाल देखी गई।सेंसेक्स1.63 प्रतिशत, निफ्टी 1.48 प्रतिशत के अलावा, बीएसई मिडकैप 1.16 प्रतिशत और स्मॉल कैप 1.37 प्रतिशत चढ़ा था। यानी गुरूवार को मिड और स्मॉल कैप में आई गिरावट की शानदार रिकवरी हुई।

इन 10 शेयरों में सबसे ज्यादा उछाल

लार्जकैप में महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में 5.48 प्रतिशत की तेजी आई। जोमेटो के शेयर 4.18 फीसदी तक चढ़ गए। आईआरएफसी के शेयरों में 3.98 प्रतिशत की तेजी देखी गई। मिडकैप-मैक्स हेल्थकेयर (8.44 प्रतिशत), टयूब इन्वेस्टमेंट्स (7.85 प्रतिशत), मजगांव डॉक शिपयार्ड के शेयर (7.75 प्रतिशत) और बीएसई (7.38 प्रतिशत) चढ़ा। स्मॉल कैप शेयरों की बात करें तो सबसे ज्यादा राइट्स 10 फीसदी, कोचिन शिपयार्ड 10 फीसदी, हुडको 9 फीसदी चढ़ा।

सरकार ने पीएफ निकालने की सीमा 50 हजार से एक लाख की

- अब नए कर्मचारी भी धन निकालने के पात्र होंगे

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। भविष्य निधि (पीएफ) के खाताधारकों के ?लिए राहत भरी खबर है। दरअसल केंद्र सरकार ने पीएफ निकालने की लिमिट को बढ़ा दिया है। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया ने घोषणा की है कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के ग्राहक अब व्यक्तिगत जरूरतों के लिए एक बार में 1 लाख रुपए तक निकाल सकते हैं, जो पहले 50,000 रुपए की सीमा थी। श्रम मंत्रालय ने ईपीएफओ के कामकाज में कई बदलाव किए हैं। इनमें लचीलापन बढ़ाने, ग्राहकों के लिए असुविधाएं कम करने के लिए नया डिजिटल ढांचा और नए दिशानिर्देश शामिल हैं। इसके साथ ही अब नए कर्मचारी जिन्होंने अपनी वर्तमान नौकरी में केवल छह महीने पूरे किए हैं, वे भी धन निकालने के पात्र होंगे, जो कि पहले संभव नहीं था। मंत्री मंडाविया ने कहा कि लोग अक्सर शादी और चिकित्सा जैसी जरूरतों के लिए ईपीएफओ की बचत का इस्तेमाल करते हैं। हमने निकासी की सीमा को बढ़ाकर 1 लाख रुपए कर दिया है क्योंकि पहले की 50,000 की सीमा लोगों की जरूरतों के हिसाब से कम पड़ रही थी। प्रोविडेंट फंड संगठित क्षेत्र के 10 मिलियन से अधिक कर्मचारियों को रिटायरमेंट के लिए आय प्रदान करता है। ईपीएफओ की बचत पर ब्याज दर, जो वित्त वर्ष 2024 के लिए 8.25 फीसदी तय की गई है, वेतनभोगी मध्यम वर्ग के लिए एक महत्वपूर्ण बेंचमार्क है। साथ ही 17 ऐसी कंपनियां हैं जिनके कर्मचारियों की संख्या 1 लाख से अधिक है और 1,000 करोड़ रुपए का फंड है। अब यदि वे अपने स्वयं के फंड के बजाय ईपीएफओ में स्विच करना चाहें, तो उन्हें इसकी अनुमति दी जाएगी।

न्यायपालिका पर सवाल उठाने पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई सीबीआई को फटकार

-कहा- आप जजों की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रहे, यह अस्वीकार्य है

नई दिल्ली,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हिंसा मामले में एक याचिका को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को फटकार लगाई है। पश्चिम बंगाल में न्यायपालिका पर सवाल उठाने वाली इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। सीबीआई ने याचिका फाइल कर 45 मामलों को बंगाल से बाहर की अदालत में शिफ्ट करने की मांग की थी। जस्टिस एएस ओका और पंकज मिथल की पीठ ने कहा कि सीबीआई न्यायपालिका कि छवि को धूमिल कर रही है।

जानकारी के मुताबिक सीबीआई ने कहा था कि पश्चिम बंगाल की कोर्ट में सुनवाई के दौरान दुश्मनी अदा करने जैसा व्यवहार किया जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस आरोप को आपत्तिजनक बताते हुए याचिका वापस लेने का आदेश दिया है। पीठ ने अडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से कहा कि याचिका में कहा गया है कि जज गलत तरीके से जमानत दे रहे हैं। आप सभी अदालतों को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं और उन्हें पक्षपाती बताना चाहते हैं। कोर्ट ने कहा कि आप वहां के जजों की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। यह अस्वीकार्य है।

बता दें कि कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई चुनाव के बाद हिंसा की घटनाओं की जांच कर रही है। सीबीआई का कहना है कि राज्य का माहौल ठीक नहीं है। ऐसे में निष्पक्ष सुनवाई के लिए मामलों को राज्य से बाहर ट्रांसफर करने की जरूरत है। 14 फरवरी को एक सिंगल जज की बेंच ने इन मामलों की सुनवाई पर रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने सीबीआई को अवमानना की कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी है। कोर्ट ने कहा कि जिस व्यक्ति ने इस याचिका को प्रमाणित किया है उसके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई करने के लिए यह मामला पर्याप्त है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आखिर एजेंसी की याचिका में कोर्ट के खिलाफ इस तरह की बात कैसे की जा सकती है। कोर्ट ने कहा जज खुद को डिफेंड नहीं कर सकते लेकिन हम आपको इस तरह के आरोप लगाने की भी इजाजत नहीं दे सकते। वहीं कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर इन मामलों को राज्य के बाहर शिफ्ट किया जाता है तो पीड़ितों का क्या होगा। उनके लिए कोर्ट पहुंचना मुश्किल हो जाएगा। इसके बाद एएसजी राजू ने याचिका वापस लेने का फैसला किया।

बेंच ने अपने आदेश में कहा कि पश्चिम बंगाल की सभी अदालतों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए गए हैं। बार-बार कहा गया है कि अदालतों का माहौल खराब है। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि सीबीआई जैसी एजेंसी इस तरह के बेबुनियाद आरोप लगा रही है। कोर्ट ने कहा कि एजेंसी अपनी आपत्ति जाहिर कर सकती है।

श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव आज

सर्वे में चीन समर्थक अनुरा दिसानायके सबसे आगे

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंका में शनिवार को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने वाले हैं। हालिया सर्वे के मुताबिक नेशनल पीपुल्स पावर के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार अनुरा कुमारा दिसानायके रेस में सबसे आगे हैं। वे चीन समर्थक माने जाते हैं। अनुरा ने वादा किया है कि जीतने के बाद वे अडानी के प्रोजेक्ट को रद्द कर देंगे।

अनुरा के अलावा रेस में 3 और बड़े उम्मीदवार हैं। सर्वे में विपक्षी नेता सजित प्रेमदासा दूसरे नंबर पर हैं। मौजूदा राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे उनसे भी पीछे तीसरे नंबर पर चल रहे हैं। इस रेस में पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बेटे नमल राजपक्षे भी हैं। सर्वे में उनके जीतने की संभावना भी कम बताई गई है। श्रीलंका में 2 साल पहले का आर्थिक संकट लोगों के जेहन में अभी भी है। यही वजह है कि पिछले दो दशक से देश का सबसे बड़ा परिवार 'राजपक्षे' रेस से बाहर होता दिख रहा है।

मेरठ रैपिड रेल कारीडोर कारोबारियों ने दी भूख हड़ताल की धमकी

मेरठ (ईएमएस)। मेरठ रैपिड रेल कारीडोर के करीब सड़क चौड़ीकरण और निर्माण के लिए जगदीश मंडप से लेकर ट्रांसपोर्ट नगर के प्रवेश द्वार तक दोनों ओर नाले के पीछे भूमि अधिग्रहण हो रहा है। इस क्षेत्र के प्रभावित व्यापारियों ने कलक्ट्रेट पहुंचकर डेढ़ वर्ष में आपत्तियों का निस्तारण न किए जाने, मुआवजा के लिए क्षेत्रफल कम दिखाने तथा मुआवजा राशि की दर सर्किल रेट से कम देने का आरोप लगाया। व्यापारियों ने समस्या का समाधान न होने पर भूख हड़ताल की चेतावनी दी।

उन्होंने कहा कि कई व्यापारियों की पूरी दुकान अधिग्रहण में जा रही है। उनका रोजगार ही छिन रहा है। उन्हें रोजगार के लिए किसी अन्य स्थान पर दुकान भी आवंटित की जाए।

जिलाधिकारी कार्यालय में एडीएम सिटी बृजेश सिंह से मिलकर शिकायती पत्र सौंपा। व्यापारियों ने बताया कि रैपिड रेल प्रोजेक्ट के तहत सड़क चौड़ीकरण के लिए 60 से ज्यादा दुकानों की भूमि का अधिग्रहण हो रहा है। जिसके संबंध में डेढ़ साल से आपत्ति मांगी जा रही है,

राहुल गांधी के खिलाफ..... रायपुर, भोपाल में मामले दर्ज

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के अमेरिका में दिए बयान का मामला पुलिस तक पहुंच गया है। सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आरोप में रायपुर में भाजपा नेता अमरजीत छाबड़ा की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 299 और 302 (बीएनएस103) के तहत एफआइआर दर्ज कर ली गई है।

उधर, दिल्ली में भाजपा सिख प्रकोष्ठ के संयोजक चरणजीत सिंह लवली ने थाने में शिकायती पत्र दिया है। राहुल गांधी के आरक्षण खत्म करने को लेकर दिए बयान के विरुद्ध दिल्ली भाजपा के अनुसूचित जनजाति मोर्चा के संयोजक सीएल मीणा ने संसद मार्ग थाने में और अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल गिहारा ने पंजाबी बाग थाने में शिकायत की है। मध्य प्रदेश भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति अभद्र शब्दों का प्रयोग करने को लेकर राहुल पर विधिक कार्रवाई की मांग की है। प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश प्रभारी डा. महेंद्र सिंह एवं सह प्रभारी सतीश उपाध्याय ने एमपी नगर पहुंचकर एफआइआर दर्ज करने का शिकायती पत्र दिया। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि राहुल के बयान से सिखों के साथ ही अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के लोगों में रोष है। वहीं, हिमाचल में भी भाजपा के अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राकेश डोगरा ने छोटा शिमला थाना में राहुल गांधी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने का निवेदन पत्र दिया है।

भ्रष्ट अफसरों पर मुकदमा चलाने की अनुमति नहीं?

केंद्रीय सतर्कता आयोग बिना दांत का

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति नहीं दी जाती है। सीबीआई, लोकायुक्त और अन्य जांच एजेंसियों की जांच के बाद भ्रष्टाचार के आरोप प्रमाणित हो गए हैं। उसके बाद भी उन पर मुकदमा चलाने की अनुमति केंद्र एवं राज्य सरकारें नहीं दे रही हैं। इस स्थिति पर केंद्रीय सतर्कता आयोग ने कड़ी आपत्ति जताई है।

केंद्र एवं राज्य सरकारों के विभिन्न मंत्रालयों के 212 मामलों की जांच सीबीआई द्वारा की गई थी। 543 अधिकारियों के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति सीबीआई ने मांगी थी। जो बहुत समय बीत जाने के बाद भी संबंधित विभागों द्वारा नहीं दी गई है।

केंद्रीय सतर्कता आयोग की रिपोर्ट में केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के अभियोजन स्वीकृति के 149 अधिकारियों के भ्रष्टाचार के आरोप प्रमाणित होने के बाद भी मुकदमा चलाने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

बिना दांत की सीवीसी

केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीबीसी) बिना दांत का ऐसा हाथी हो गया है। जो देखने में बड़ा भारी भरकम है। लेकिन इसकी अनुशंसा के बाद भी केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा भ्रष्ट और दोषी अधिकारियों को बचाने का काम किया जा रहा है।कई वर्षों तक मुकदमा चलाने की अनुमति नहीं दी जाती है। सीबीआई और केंद्रीय सतर्कता जांच आयोग की जांच के बाद भी सरकारें उन्हें दोष मुक्त कर देती हैं। जिसके कारण रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के मामलों में दोषी अधिकारियों को सजा नहीं मिल पाती है। दूसरी ओर सरकारी संरक्षण के कारण वह और भी दुगने वेग से भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी करते हैं। केंद्रीय सतर्कता आयोग ने इस स्थिति पर नाराजगी जताई है। केंद्रीय सतर्कता आयोग जानता है, उनकी नाराजी का कोई मतलब नहीं है। एक तरह से वह अपनी जिम्मेदारी कागजों में ही पूरी कर रहे हैं।

केंद्र सरकार फैक्ट चेक यूनिट नहीं बना सकेगी

-बॉम्बे हाईकोर्ट ने रोक लगाई

मुंबई(ईएमएस)। केंद्र सरकार फैक्ट चेक यूनिट नहीं बना सकेगी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्रवार को आईटी एक्ट में किए गए संशोधन को असंवैधानिक बताते हुए इसे रद्द करने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि आईटी एक्ट में संशोधन जनता के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

दरअसल, केंद्र सरकार ने 2023 में आईटी नियमों में संशोधन किया था। सरकार इसके जरिए सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफार्म पर झूठी या फर्जी खबरों की पहचान करने के लिए फैक्ट चेक यूनिट बना सकती थी। जनवरी 2024 में बेंच में शामिल दो जजों जस्टिस गौतम पटेल और जस्टिस नीला न्यायमूर्ति ने अलग-अलग फैसला दिया था। इसके बाद यह केस टाईब्रेकर जज जस्टिस एएस चंदुरकर के पास भेजा गया था। जस्टिस चंदुरकर ने कहा कि मेरा मानना है कि ये संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 19 का उल्लंघन करता है। जब दो जजों के फैसले पर अलग-अलग मत होते हैं तब इसे टाईब्रेकर जज के पास भेजा जाता है। मैंने मामले पर विस्तार से विचार किया है। विवादित नियम भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार), 19 (भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) और 19(1)(जी) (व्यवसाय की स्वतंत्रता और अधिकार) का उल्लंघन करते हैं।

एडिटर्स गिल्ड ने लगाई याचिका

आईटी नियमों में संशोधन के खिलाफ कॉमेडियन कुणाल कामरा, एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया, न्यूज ब्रॉडकास्टर्स एंड डिजिटल एसोसिएशन और एसोसिएशन ऑफ इंडियन मैगजीन ने सबसे पहले बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें तीन रूल को चुनौती दी गई थी। ये रूल केंद्र सरकार को झूठी ऑनलाइन खबरों की पहचान करने के लिए स्नष्ट बनाने का अधिकार देते हैं। एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने ये भी कहा था कि फेक न्यूज तय करने की शक्तियां पूरी तरह से सरकार के हाथ में होना प्रेस की आजादी के विरोध में है।

तिरुपति के लड्डुओं में चर्बी के आरोपों पर एक्शन में सरकार

नड्डा बोले- मामले की जांच करेगा एफएसएसएआई

नई दिल्ली (ईएमएस)। तिरुपति के लड्डुओं में पशु चर्बी के इस्तेमाल के दावों के बाद विवाद लगातार गहराता जा रहा है। अब केंद्रीय स्वास्थय मंत्री जेपी नड्डा ने तिरुमाला लड्डू प्रसादम में मिलावट पर मुख्यमंत्री नायडू से फोन पर बात की है और आंध्र प्रदेश सरकार से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) रिपोर्ट की जांच करेगा और पूरी जांच की जाएगी।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने तिरुपति प्रसादम विवाद पर कहा, जैसे ही मुझे खबर मिली मैंने चंद्रबाबू नायडू से बात की और इस बारे में जानकारी ली, मैंने उनसे कहा है कि उनके पास जो रिपोर्ट है, उसे मुझे भेजें। मैं इसकी जांच करूंगा और राज्य नियामक से भी बात करूंगा और जानूंगा कि उनका क्या कहना है। रिपोर्ट की पूरी तरह से जांच करने के बाद सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए उचित कार्रवाई की जाएगी, कानून और हमारे एफएसएसएआई के दायरे में जो भी आएगा, उसके तहत कार्रवाई की जाएगी।

भक्तों की आस्था के साथ खिलबाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं

-पवन खेड़ा बोले-इस मामले के तार ध्रुवीकरण की साजिश के साथ जुड़े होने की आशंका

नई दिल्ली,(ईएमएस)। तिरुपति मंदिर के प्रसाद में मिलावट को लेकर बवाल मचा हुआ है। अब इसको लेकर कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा है कि अगर प्रसाद में जानवरों की चर्बी मिलाए जाने की बात सच है, तो इसकी निष्पक्ष जांच की जाना चाहिए और इसमें शामिल आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

इसके साथ ही उन्होंने इस मसले के तार ध्रुवीकरण की साजिश संग जुड़े होने की आशंका जताई है। खेड़ा ने एक्स पर आगे लिखा-अगर तिरुपति मंदिर में भगवान को चढ़ाए जाने वाले प्रसाद में जानवरों के मांस होने के संबंध में किए गए दावे गलत साबित हुए, तो मैं एक बात साफ कह देना चाहता हूं कि श्रद्धालु और भक्तगण कभी माफ नहीं करेंगे। ऐसा करके भक्तों की आस्था के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधाते हुए कहा कि बीजेपी चुनावी मौसम के बीच ध्रुवीकरण की साजिश के सिद्धांतों को हवा देने में माहिर है।

बता दें लैब की रिपोर्ट में हुए खुलासे में यह बात सामने आई है कि तिरुपति मंदिर में भगवान को चढ़ाए गए प्रसाद में पशु चर्बी का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस खुलासे ने देश में नई बहस छिड़ गई है। एक अन्य रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है कि तिरुपति मंदिर में भगवान को चढ़ाए जाने वाले प्रसाद में जानवरों के मांस की चर्बी और फिश ऑयल का इस्तेमाल किया गया। दावा किया गया है कि यह सबकुछ उस घी में इस्तेमाल किया गया, जिसका उपयोग प्रसाद बनाने के लिए किया जाता है।

सीबीआई ने नीट-यूजी 2024 पेपर लीक मामले में दूसरा आरोप पत्र दाखिल किया

पटना (ईएमएस)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने नीट-यूजी 2024 पेपर लीक मामले में शुक्रवार को पटना की एक विशेष अदालत में दूसरा आरोप पत्र दाखिल किया। इस आरोप पत्र में झारखंड के हजारीबाग स्थित ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल अहसानुल हक और वाइस प्रिंसिपल मोहम्मद इम्तियाज आलम समेत चार अन्य लोगों के नाम शामिल हैं।

सीबीआई ने आरोप लगाया है कि इन दोनों ने अन्य लोगों के साथ मिलकर प्रश्न पत्र चोरी करने की साजिश रची थी। चार अन्य लोगों में अमन कुमार सिंह, बलदेव कुमार, सन्नी कुमार और एक स्थानीय पत्रकार जमालुद्दीन शामिल हैं। इन सभी पर भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश), 109 (उकसाना), 409 (आपराधिक विश्वासघात), 420 (धोखाधड़ी), 380 (चोरी), 201 (साक्ष्य गायब करना) और 411 (चोरी की संपत्ति प्राप्त करना) के तहत आरोप लगाए गए हैं। इसके अलावा, प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधान भी लागू किए गए हैं।

सीबीआई के अनुसार, इस साजिश का मास्टरमाइंड पंकज कुमार था, जिसने अहसानुल हक और मोहम्मद इम्तियाज आलम के साथ मिलकर परीक्षा के प्रश्न पत्रों को अवैध रूप से प्राप्त किया और उन्हें कुछ सॉल्वरों के जरिए हल कराया।

सीबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, 5 मई की सुबह हजारीबाग में परीक्षा के दिन पंकज कुमार को प्रश्न पत्रों वाले ट्रंक तक अवैध रूप से पहुंच दी गई थी। आधुनिक उपकरणों की मदद से कुमार ने ट्रंक को खोला और प्रश्न पत्र प्राप्त किए। इसके बाद, पेपर को सॉल्वरों के एक समूह ने हल किया, जिनमें से कुछ प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों के एमबीबीएस छात्र थे। सीबीआई ने अब तक 7 सॉल्वरों को गिरफ्तार किया है।

सीबीआई ने इस मामले में अब तक 48 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से कई सॉल्वर और अन्य संदिग्ध हैं। सीबीआइ ने इस मामले में नीट-यूजी परीक्षा के लाभार्थी छात्रों की भी पहचान की है और उनकी जानकारी राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के साथ साझा की है, ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके।

इस साल नीट-यूजी 2024 परीक्षा का आयोजन 5 मई को हुआ था, जिसमें 571 शहरों के 4,750 परीक्षा केंद्र शामिल थे। एनटीए द्वारा आयोजित यह परीक्षा सरकारी और निजी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठयक्रमों में प्रवेश के लिए होती है।

कैश-फॉर-वोट मामले की कार्यवाही में किसी भी तरह से हस्तक्षेप न करें सीएम रेवंत रेड्डी - सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से कहा है कि वे 2015 के कैश-फॉर-वोट मामले की कार्यवाही में किसी भी तरह से हस्तक्षेप न करें, जिसमें वे एक आरोपी हैं। इस मामले की सुनवाई तेलंगाना से भोपाल स्थानांतरित करने से इनकार करते हुए जस्टिस बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के महानिदेशक मामले के अभियोजन के संबंध में मुख्यमंत्री को रिपोर्ट नहीं करेंगे।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मामलों में प्रतिद्वंद्वी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता के कविता को जमानत दिए जाने पर रेड्डी की टिप्पणियों पर कड़ी नाराजगी जताई थी। कोर्ट ने कहा कि यह उम्मीद की जाती है कि संविधान के तीनों अंग एक-दूसरे के कामकाज के प्रति परस्पर सम्मान दिखाएंगे।

पीठ ने रेड्डी द्वारा न्यायालय में क्षमा याचना किए जाने पर संज्ञान लेते हुए कहा कि वह इस मुद्दे पर आगे नहीं बढ़ना चाहती। पीठ ने कहा, हालांकि हम इस मामले में आगे नहीं बढ़ना चाहते, लेकिन हम सभी संवैधानिक पदाधिकारियों - विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका - को केवल यह चेतावनी दे सकते हैं कि वे संविधान द्वारा उनके लिए निर्धारित क्षेत्रों में अपने संवैधानिक कर्तव्यों का निर्वहन करें।

पीठ ने कहा, ऐसी अनुचित टिप्पणियों से अनावश्यक रूप से टकराव पैदा होता है। इसलिए हम केवल यह सलाह दे सकते हैं कि न्यायालयों द्वारा पारित आदेशों के बारे में टिप्पणी करते समय पर्याप्त सावधानी बरतनी चाहिए। पीठ ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि फैसले की निष्पक्ष आलोचना के अधिकार का हमेशा स्वागत किया जाता है, लेकिन किसी को भी सीमाओं का उल्लंघन नहीं करना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट का यूटयूब चैनल हैक

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट का यूटयूब चैनल शुक्रवार को हैक हो गया है। शीर्ष अदालत के यूटयूब चैनल पर यूएस बेस्ड क्रिप्टोकरेंसी एक्सआरपी को बढ़ावा देने वाले वीडियो दिखाई दे रहा था, जिसे रिपल लैब्स ने डेवलप किया है। इससे पहले हैकर्स ने चैनल का नाम बदला और पहले की सुनवाई के वीडियो प्राइवेट किए। अब कम्युनिटी गाइडलाइन वायलेंस के कारण चैनल को यूटयूब ने हटा दिया है। इस चैनल पर शीर्ष अदालत की संविधान पीठ के सामने आने वाले मामलों और जनहित से जुड़े मामलों की सुनवाई को लाइव स्ट्रीम किया जाता है। हाल ही में आरजी कर मेडिकल कॉलेज, रेप और हत्या के मामले की सुनवाई को लाइव स्ट्रीम किया गया था।

सीबीआई को जमीन के बदले नौकरी घोटाले में लालू के खिलाफ केस चलाने की अनुमति मिली

नई दिल्ली (ईएमएस)। सीबीआई ने कथित भूमि-के-लिए-नौकरी घोटाले से संबंधित भ्रष्टाचार के एक मामले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद पर मुकदमा चलाने के लिए संबंधित अधिकारियों से अपेक्षित मंजूरी प्राप्त कर ली है।

सीबीआई ने यह जानकारी देते हुए शुक्रवार को दिल्ली की एक अदालत को बताया कि इस मामले में करीब 30 अन्य आरोपी हैं जिनके लिए अभियोजन की मंजूरी का इंतजार है। सीबीआई ने अदालत से अनुरोध किया कि अपेक्षित दस्तावेज हासिल करने के लिए उसे 15 दिन का और समय दिया जाए।

अदालत ने सीबीआई को अन्य आरोपियों के लिए मंजूरी प्राप्त करने की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया और मामले की अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को तय की।

अधिकारियों के अनुसार, यह मामला मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित रेलवे के पश्चिम मध्य क्षेत्र में ग्रुप-डी की नियुक्तियों से संबंधित है। यह नियुक्ति लालू प्रसाद के 2004 से 2009 के बीच रेल मंत्री रहने के दौरान की गई थी। इन नियुक्तियों के बदले में नियुक्तियों में शामिल लोगों द्वारा राजद सुप्रीमो के परिवार या सहयोगियों के नाम पर जमीन के टुकड़े उपहार में दिए गए या हस्तांतरित किए गए।

9वीं बार अमेरिकी यात्रा पर पीएम मोदी.... मनमोहन, नेहरु और अटल बिहारी पीछे

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फिर अमेरिका दौरे के लिए रवाना होने वाले हैं। बतौर पीएम वे अब तक 8 बार अमेरिका का दौरा कर चुके हैं और अब नौवीं यात्रा करने वाले हैं। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 से 23 सितंबर तक अमेरिका के दौरे पर जा रहे है।

पीएम मोदी के इस दौरे के बीच भारतीय प्रधानमंत्रियों के इतिहास पर नजर डालने पर जानकारी मिलती हैं कि पहले पीएम रहे जवाहर लाल नेहरू अपने कार्यकाल के दौरान 4 बार अमेरिका की यात्रा पर गए थे। इतना ही नहीं मोदी और उनके पूर्ववर्ती मनमोहन सिंह सहित अब तक कुल 9 भारतीय प्रधानमंत्रियों ने आधिकारिक रूप से अमेरिका का दौरा किया है। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह ने 8 बार अमेरिका की यात्रा की, जबकि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 4 बार अमेरिका का दौरा किया। वहीं, अटल बिहारी वाजपेयी भी 4 बार अमेरिका का दौरा कर चुके हैं। इनके अलावा पीएम रही इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने (3बार), पी.वी. नरसिम्हा राव (2 बार), और मोरारजी देसाई व आई.के. गुजराल 1-1 बार अमेरिका के दौरे पर जा चुके हैं।

1. पंडित जवाहरलाल नेहरू (1947-1964)

अमेरिका की यात्राएंः 4 बार

कब की यात्राएंः साल 1949, 1956, 1960, 1961

पीएम नेहरू ने इन अमेरिकी दौरे के दौरान कूटनीतिक और आर्थिक संबंधों को प्रगाढ़ किया है। इस दौरान भारत ने गुटनिरपेक्षता को अपनाया था, तब शीतयुद्ध का दौर चल रहा था। पीएम नेहरू ने अमेरिका के साथ बैलेंस बनाकर रखा। साल 1960 में उन्होंने यूएन जनरल असेंबली को संबोधित किया था।

2. इंदिरा गांधी (1966-1977, 1980-1984)

अमेरिका की यात्राएंः 3 बार

कब की यात्राएंः 1966, 1968, 1970

4. मोरारजी देसाई (1977-1979)

यात्राः 1 बार

कबः 1978

5.राजीव गांधी (1984-1989)

यात्राएंः 3 बार

यात्रा वर्षः 1985 में दो बार, 1987 में एक बार

6. अटल बिहारी वाजपेयी (1998-2004)

यात्राएंः 4 बार

प्रमुख यात्रा वर्षः 2000, 2001, 2002, 2003

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी एकमात्र विदेशी नेता थे जिन्होंने अमेरिका की 106वीं कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित किया था। उनका यह संबोधन ऐतिहासिक माना जाता है, क्योंकि किसी भी विदेशी नेता को इस तरह का सम्मान बहुत कम ही मिला है। वाजपेयी के वक्तव्य ने भारत-अमेरिका के संबंधों को एक नई दिशा दी और दोनों देशों के बीच मजबूत साझेदारी की नींव रखी।

7. डॉ.मनमोहन सिंह (2004-2014)

अमेरिकी यात्राएंः 8 बार

प्रमुख यात्रा वर्षः 2005, 2009, 2013

पीएम मनमोहन सिंह की यात्रा कई मामलों में खास रही। उन्होंने अमेरिकी दौरे पर 59वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र में हिस्सा लेकर महासभा को संबोधित किया था। अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश से मुलाकात की और संयुक्त राष्ट्र महासचिव कोफी अन्नान, अफगान राष्ट्रपति हामिद करजई, पाकिस्तानी राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ सहित अन्य भाग लेने वाले नेताओं के साथ बहुपक्षीय वार्ता की।इसके साथ ही, जी4 देशों के नेताओं से भी बातचीत की। वह अमेरिका में स्टेट विजिट पर भी गए थे।

जन हितैषी

सारी दुनिया, इलेक्ट्रॉनिक संचार उपकरणों से भयभीत

सारी दुनिया के देशों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और संचार व्यवस्था को लेकर एक अज्ञात भय समा गया है। लेबनान में जिस तरह से हजारों पेजरों,इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, वॉयरलैस आधारित वॉकी-टॉकी इत्यादि के माध्यम से सामूहिक विस्फोट किए गए हैं। इन विस्फोटों में हजारों लोगों घायल हुए हैं। सैकड़ो लोग मौत का शिकार हो गए हैं। कई स्थानों पर मोबाइल डिवाइस पर भी इसी तरह के धमाके किए गए हैं। सेना के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में विस्फोट अस्पतालों में कार्यरत डॉक्टरों, नर्सों के पेजर और मोबाइल फोन पर भी हुए हैं। जिसके बड़ी संख्या में डॉक्टर नर्स और मरीज घायल हुए हैं। उसके कारण अब लोगों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और संचार माध्यमों के उपयोग को लेकर भय फैल गया है। पिछले तीन दशक में दुनिया के सभी देशों में इंटरनेट का बड़े पैमाने पर विस्तार हुआ है। पिछले दो दशक में ऑनलाइन सेवाओं का जाल बिछाया गया है। कम्युनिकेशन के सभी संसाधन इंटरनेट के माध्यम से आपस में जुड़ गए हैं। टेलीविजन भी अब इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस इंटरनेट के माध्यम से सारी दुनिया में सेवाएं दे रहे हैं। मोबाइल फोन गरीब से गरीब के व्यक्ति के पास उपलब्ध है। घरों में जो टीवी लगी हैं। वह भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण एवं इंटरनेट के माध्यम से कार्यक्रम प्रसारित किया जा रहे हैं। सभी माध्यमों में कुछ ही लोगों का एकाधिकार है। विशेष रूप से सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर तैयार करने वाली संस्थाओं कुछ ही कंपनियों पर एकाधिकार है। इस तकनीकी पर घुसपैठ करने वालों की संख्या भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ती जा रही है। हैकिंग सिस्टम के माध्यम से हैकर तकनीकी को ध्वस्त करते हुए कमाई के नए-नए आयाम खोजने में लगे हैं। युद्ध लड़ने के जो नए तरीके अब विकसित हो रहे हैं। वह बहुत विनाशकारी हैं। पहले जो युद्ध हुए हैं, उसमें उतना बड़ा नुकसान नहीं हुआ। जितना बड़ा नुकसान अब सारी दुनिया के देशों को हो सकता है। पहले रासायनिक हथियारों का एक भय था। अब जिस तरह से व्यक्ति को लक्ष्य करके हमले किए जा रहे हैं। उसने सारी दुनिया को हैरानी और परेशानी में डाल दिया है। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में विस्फोट की आशंका को देखते हुए, सभी देशों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की विश्वसनीयता और उपयोग को लेकर बड़ा संशय पैदा हो गया है। सारी दुनिया एक ही नेटवर्क से जुड़ी हुई है। सभी संचार माध्यम आपस में जुड़े हुए होने के कारण कम समय में सारी दुनिया के देशों को लक्ष्य किया जा सकता है। यह आशंका अब बलवती होने लगी है। पिछले एक दशक में जिस तरह से इंटरनेट के माध्यम से ऑनलाइन नेटवर्किंग से दुनिया की 70 फ़ीसदी से ज्यादा आबादी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण नेटवर्क के माध्यम से जुड़ चुके है। इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का उपयोग युद्ध मैं हथियार के रूप में किया गया है। उसके कारण लोगों के बीच में यह चर्चा होने लगी है। पेजर तकनीकी जो वायरलेस के माध्यम से एक सीमित क्षेत्र में वन वे कम्युनिकेशन के रूप में काम करती है। यदि वह सुरक्षित नहीं है। ऐसी स्थिति में लोगों की सुरक्षा किस तरह संभव होगी, यह समझना मुश्किल हो गया है। भारत सहित दुनिया के अन्य देशों के संचार माध्यम इंटरनेट से संचालित हो रहे हैं। घरों की टीवी मैं जो प्रसारण आ रहा है। वह भी इंटरनेट के माध्यम से आ रहा है। एंड्राइड तकनीकी के टेलीविजन दुनिया भर के अरबों टेलीविजन और मोबाइल एक ही सिस्टम से संचालित हो रहे हैं। सारे सिस्टम एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कब इस सिस्टम के अंदर कौन घुसकर क्या करके निकल जाएगा, कहना मुश्किल है। इजराइल ने जिस तरह से इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और संचार माध्यमों से घातक तकनीकी विकसित करते हुए इस तकनीकी का इस्तेमाल युद्ध के लिए किया है। इजरायल के अलावा आतंकी संगठनों के पास इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा युद्ध में काम आने वाले हथियार जिस तरीके से विकसित किए गए हैं। वह पूरी दुनिया की मानव आबादी को कुछ ही क्षणों में तबाह करने की क्षमता रखते हैं। अभी मिसाइल से किसी स्थान पर लक्ष्य पर निशाना साधा जाता था। अब निशाने पर वह हर व्यक्ति आ गया है। जो व्यक्ति मोबाइल ,पेजर ,टेलीविजन एवं उन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग कर रहा है। वह नेटवर्किंग में जुड़े हुए नहीं हैं।उसके बाद भी जिस तरह से हाल ही में इजरायली लडाकूओं ने पेजर और वाकी-टाकी के माध्यम से हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमला किया है। जिनके पास इलेक्ट्रॉनिक उपकरण थे। वह बुरी तरह से घायल हुए, या मारे गए। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है कि इस हमले में अस्पतालों, नसों और डॉक्टरों को भी निशाना बनाया गया है। इजरायल ने जिस तरह से पेजर और वाकी टाकी में विस्फोटक पदार्थ का उपयोग करते हुए विभिन्न माध्यमों से दुश्मन देश के पास उन उपकरणों की सप्लाई कराई। उसने दुनिया में एक नए अविश्वास को जन्म दिया है। अब किसी भी देश को इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को लेकर एक दूसरे के ऊपर वह विश्वास नहीं होगा। सारी दुनिया में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में चीन का बोलबाला है। पिछले दो दशक में दुनिया के प्रत्येक देश के अधिकांश नागरिक इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के ऊपर आश्रित होकर रह गए हैं। चीन, अमेरिका, इजरायल जैसे देश इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर को लेकर विशेष तकनीकी दक्षता रखते हैं। विशेष रूप से मोबाइल फोन और टीवी के रूप में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस हर घर में और हर व्यक्ति के द्वारा उपयोग में लाई जा रही है। अभी तक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग जासूसी एवं अन्य जानकारी को एकत्रित करने के लिए किया जाता था। अब एक बड़े विध्वंश के रूप में नया स्वरूप सामने आया है। जिसका मुकाबला कर पाना शायद ही किसी के लिए संभव हो। पहली बार दुनिया की सोच इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के उपयोग को लेकर, चिंता में बदलना शुरू हो गई है। इजराइल के साथ-साथ इस तरह की तकनीकी अन्य देशों और आतंकी संगठनों के पास भी उपलब्ध है। जो कम या ज्यादा नुकसान करने में सक्षम है। विभिन्न देशों द्वारा यदि इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के माध्यम से युद्ध लड़ना शुरू कर दिया, तो बहुत बड़े विनाशकारी परिणाम सारी दुनिया में देखने को मिल सकते हैं। पहली बार दुनिया के देशों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और संचार माध्यमों को लेकर चिंता और भय देखने को मिल रहा है। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में विस्फोट ने गुप्त तरीके से युद्ध लड़ने का नया रास्ता बनाया है। जिसके कारण भविष्य को लेकर चिंताएं देखने को मिलने लगी हैं।

ब्याज दरों को कम करने का चक्र हुआ प्रारम्भ

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जर्मी पोवेल ने दिनांक 19 सितम्बर 2024 को यूएस फेड दर में 50 आधार बिंदुओं की कमी करने की घोषणा करते हुए यूएस फेड दर को 5.5 प्रतिशत से घटाकर कर 5 प्रतिशत कर दिया है। 4 वर्ष पूर्व पूरे विश्व में फैली कोविड महामारी के खंडकाल के पश्चात मुद्रा स्फीती की दर में, पिछले 4 दशकों में, सबसे अधिक वृद्धि दर्ज हुई थी और मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रण में लाने के उद्देश्य से विकसित एवं अन्य कई देश ब्याज दरों को लगातार बढ़ा रहे थे ताकि उत्पादों की मांग बाजार में कम हो तथा उत्पादों की आपूर्ति इस मांग के अनुरूप हो जाए। पिछले 4 वर्षों के दौरान यूएस फेड दर 0 प्रतिशत से बढ़कर 5.50 प्रतिशत तक पहुंच गई थी परंतु अब 4 वर्ष पश्चात यूएस फेड दर को कम करने की घोषणा की गई है।

कई विकसित एवं विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाएं अमेरिका में लागू ब्याज दरों से अत्यधिक प्रभावित होती हैं। जब भी अमेरिका द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की घोषणा की जाती है तो अन्य देशों में अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों के संस्थानों एवं नागरिकों द्वारा किया गया निवेश इन देशों से निकलकर अमेरिका में वापिस आने लगता है क्योंकि अमेरिकी वित्तीय संस्थानों एवं अमेरिकी सरकार द्वारा जारी किए जाने बां ड पर उन्हें आकर्षक ब्याज दर मिलने लगती है। इसके विपरीत जब भी अमेरिका द्वारा यूएस फेड दर में कमी की घोषणा की जाती है तो अन्य विकासशील देशों में अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों के संस्थानों एवं नागरिकों का निवेश बढ़ने लगता है क्योंकि इन्हें अमेरिकी वित्तीय संस्थानों एवं सरकार द्वारा जारी किए जाने बांड पर तुलनात्मक रूप से कम आय होने लगती है। इसी विशेष कारण के चलते कई देशों को अमेरिकी फेड रिजर्व के निर्णय को ध्यान में रखते हुए ही अपने देश में भी ब्याज दरों को कम अथवा अधिक करना होता है ताकि उनके देश में अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों के संस्थानों एवं नागरिकों द्वारा किया जा रहा निवेश बहुत अधिक प्रभावित नहीं हो।

चूंकि अब यूएस फेड दर में 50 आधार बिंदुओं की कमी की गई है अतः अन्य कई देश भी ब्याज दरों में कमी की घोषणा कर सकते हैं। इससे पूरे विश्व में ही ब्याज दरों को कम करने का चक्र प्रारम्भ हो सकता है। हालांकि इसकी शुरुआत यूरोपीयन देशों एवं ब्रिटेन द्वारा पूर्व में की जा चुकी है तथा अब विकासशील देश भी ब्याज दरों में कमी की घोषणा शीघ्र ही कर सकते हैं। भारत में भी हालांकि पिछले कुछ समय से मुद्रा स्फीति की दर लगातार नियंत्रण में बनी हुई है परंतु भारतीय रिजर्व बैंक यदि पूर्व में ही ब्याज दरों में कमी की घोषणा करता तो भारत में अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों के संस्थानों द्वारा अमेरिकी डॉलर में किये गए निवेश के भारत से निकलने की सम्भावना बढ़ जाती। आज विश्व के कई देश, विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में, आपस में इतने अधिक जुड़ चुके हैं कि किसी एक देश के आर्थिक क्षेत्र में होने वाले परिवर्तन अन्य देशों के आर्थिक क्षेत्र को भी प्रभावित करते हैं।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा यह भी कहा गया है कि केलेंडर वर्ष 2024 में यूएस फेड दर में 25 आधार बिंदुओं की दो बार और कमी की घोषणा की जा सकती है तथा केलेंडर वर्ष 2025 में 100 आधार बिंदुओं की कमी की जा सकती है। इस प्रकार यूएस फेड दर घटकर 3.50 प्रतिशत तक नीचे आ सकती है। यूएस फेड दर में 50 आधार बिंदुओं की कमी की घोषणा के साथ ही 10 वर्षों के लिए जारी अमेरिकी बांड की यील्ड घटकर 3.73 प्रतिशत के स्तर पर आ गई है एवं डॉलर इंडेक्स भी 100.37 के निचले स्तर पर आ गया है। अब अमेरिकी डॉलर पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में दबाव बढ़ेगा जिससे अमेरिकी डॉलर का अवमूल्यन हो सकता है। इससे अमेरिकी बाजारों से अब पूंजी निकलकर अधिक आय की तलाश में अन्य इमर्जिंग देशों के शेयर बाजार में जाएगी। इसका सबसे अधिक लाभ भारत को हो सकता है क्योंकि भारत पूर्व में ही श्एण्ध्‌ सैुगहु ईंवू घ्ध्‌ (घ्ह्नेूंत ईंवू घ्ह्न×) घ्ह्न× में चीन से आगे निकलकर प्रथम स्थान पर आ गया है। इस इंडेक्स में भारत के शेयरों का भार चीन के शेयरों के भार से अधिक हो गया है। विश्व के वित्तीय संस्थान, सोवरेन फंड, पेंशन फंड एवं अन्य निवेशक श्एण्ध्‌ के इंडेक्स पर अधिक विश्वास करते हैं एवं अपने निवेश भी इस इंडेक्स में शामिल शेयरों में करते हैं।

दूसरे, अब बहुत सम्भव है कि भारतीय रिजर्व बैंक भी रेपो दर में कमी की घोषणा शीघ्र ही करे क्योंकि अब अमेरिका में अधिक ब्याज दरों का दौर समाप्त हो रहा है। अमेरिका में बढ़ी हुई ब्याज दरों का विपरीत प्रभाव न केवल भारतीय रुपए पर हो रहा था बल्कि अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों से भारत में अमेरिकी डॉलर में होने वाले विदेशी निवेश पर भी दबाव बना हुआ था। अब अमेरिका में यूएस फेड दर के कम करने से भारतीय रुपए पर दबाव एवं भारत से विदेशी निवेश के बाहर जाने का डर भी कम हो जाएगा। साथ ही, यदि भारत में भी ब्याज दरों को कम करने का दौर शुरू होता है तो इससे भारतीय उद्योग जगत को फायदा होगा और उनकी लाभप्रदता में वृद्धि होगी जो विदेशी निवेश को भारत में आकर्षित करने में सहायक होगी। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पहिले से ही अपने उच्चत्तम स्तर 68,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया है। अब बदली हुई परिस्थितियों में भारत का शेयर बाजार यदि और अधिक विदेशी निवेश की राशि भारत में आकर्षित करता है तो भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 100,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर सकने की क्षमता रखता है। तीसरे, भारत में ब्याज दरों के कम होने से उद्योग जगत द्वारा भारत में उत्पादित वस्तुओं की लागत भी कम हो सकती हैं और भारत में निर्मित उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बन सकेंगे, इससे भारतीय उत्पादों के निर्यात में वृद्धि होने की सम्भावना बन सकेगी। चौथे, अमेरिकी बाजार में ब्याज दरों के कम होने से विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्यरत बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की लाभप्रदता में वृद्धि के चलते इन कम्पनियों द्वारा नवाचार के लिए रीसर्च पर खर्च में बढ़ौतरी की जा सकती है, जिसका सीधा सीधा लाभ भारत में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्य करने वाली कम्पनियों को होने जा रहा है।

आम जनता द्वारा बैकों से लिए गए ऋण की किश्तें भी अब कम हो सकती हैं इससे विशेष रूप से मध्यमवर्गीय परिवारों द्वारा खर्च करने योग्य राशि में वृद्धि होगी जो विभिन्न उत्पादों की मांग निर्मित करने में सहायक होगी। कुल मिलाकर, अब यह कहा जा सकता है कि अमेरिका में यूएस फेड दर के कम करने का अच्छा प्रभाव आगे आने वाले समय में विकसित देशों एवं भारत सहित विश्व की अन्य इमर्जिंग अर्थव्यवस्थाओं पर भी दिखाई देने लगेगा। (लेखक- प्रहलाद सबनानी / ईएमएस)

आपने भी खाये होंगे प्रसादम के चर्बी वाले लड्डू

देश की सियासत में ही गिरावट नहीं आयी है बल्कि कारोबार में भी गिरावट आ गयी है । भारत के सबसे अमीर माने जाने वाले तिरुपति मंदिर के प्रसादम हेतु बनाये जाने वाले लड्डू भी इस गिरावट के शिकार हो गए है । लड्डू बनाने वाले इनके निर्माण में देशी घी के बजाय चर्बी का इस्तेमाल करते आये हैं। अब इसकी पुष्टि भी हो गयी है,लेकिन न भगवान तिरुपति इन अधम लोगों का कुछ बिगाड़ पाए हैं और न आंध्र प्रदेश की सरकार इनका कुछ बिगाड़ पायेगी । हाँ प्रसादम के लड्डुओं की अपवित्रता को लेकर राजनीति अवश्य होने लगी है।

आपको बता दूँ कि तिरुपति मंदिर में शुद्ध देसी घी के रोज 3.50 लाख लड्डू बनते हैं।आंध्र के मुख्यमंत्री और टीडीपी सुप्रीमो एन चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार, दो दिन पहले जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली पिछली वायएसआरसीपी सरकार पर तिरुपति प्रसाद में पशु चर्बी मिलाने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि जगन मोहन सरकार ने प्रसादम की पवित्रता खंडित कर दी है। तेलुगु देशम पार्टी ने तिरुपति मंदिर के लड्डू प्रसादम बनाने के लिए भेजे गए गाय के घी के सैंपल की लैब रिपोर्ट दिखाई। टीडीपी प्रवक्ता अनम वेंकट रमना रेड्डी ने दावा किया कि इसमें गोमांस और सुअर की चर्बी के अलावा फिश ऑयल की पुष्टि की गई है।वेंकट रमना रेड्डी ने गुरुवार, 19 सितंबर को प्रेस कॉन्फ्रेंस में लैब रिपोर्ट सार्वजनिक की। उन्होंने बताया कि गुजरात स्थित लाइवस्टॉक लेबोरेटरी, एनडीडीबी लिमिटेड को 9 जुलाई, 2024 को सैंपल भेजा गया था। लैब रिपोर्ट 16 जुलाई को मिली।सेंटर फॉर एनालिसिस एंड लर्निंग इन लाइवस्टॉक एंड फूड गुजरात के आनंद में स्थित (नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड बोर्ड) की लेबोरेटरी है।

चंद्रबाबू नायडू कहते हैं कि पिछले 5 साल में वायएसआरसीपी के नेताओं ने तिरुमाला की पवित्रता को धूमिल किया। तिरुमाला के पवित्र लड्डू में घी की जगह जानवरों की चर्बी का इस्तेमाल किया। हालांकि, अब हम प्रसादम में शुद्ध घी का इस्तेमाल कर रहे हैं। हम तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम की पवित्रता की रक्षा के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। नायडू ने कहा कि जिस कंपनी से घी लिया जा रहा था, उससे करार खत्म कर ब्लैक लिस्ट कर रहे हैं। मामले की जांच विजिलेंस को सौंप दी गई है। एक साल पहले ही कंपनी को सप्लाई का टेंडर मिला था।लड्डू में चर्बी कांड उजागर होने कि बाद कांग्रेस नेता और जगन मोहन की बहन शर्मिला नेसीबीआई जांच कराने की मांग की है।

एक जानकारी कि मुताबिक मंदिर में प्रसादम कि लड्डू बनाने कि लिए हर छह महीने में 1400 टन घी मंदिर में लगता है। सरकार बीते 50 साल से कर्नाटक कॉपरेटिव मिल्क फेडरेशन रियायती दरों पर ट्रस्ट को घी दे रहा था। जुलाई 2023 में कंपनी ने कम रेट में सप्लाई देने से मना कर दिया, जिसके बाद पिछली जगन सरकार ने 5 दूसरी फर्मों को सप्लाई का काम दिया। इसी साल 17 जुलाई को राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की फूड लैब काल्फ ने बताया कि तिरुमाला के लड्डुओं में पशु चर्बी, मछली तेल से बने घी का इस्तेमाल हो रहा है। जांच में एक फर्म का घी मिलावटी मिला था।

इसके बाद जुलाई में तिरुमाला ट्रस्ट के ईओ जे. श्यामला राव ने बैठक कर लडडुओं के नमूने फिर जांच कि लिए प्रयोगशाला भेजे। अब इसकी रिपोर्ट नायडू ने उजागर किया। इसमें पता चला कि घी में बीफ, फिश ऑयल और सुअर की चर्बी मिलाई गई थी तिरुपति मंदिर दुनिया के सबसे लोकप्रिय और अमीर धर्मस्थलों में से है। यहां हर दिन करीब 70 हजार श्रद्धालु भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन करते हैं। इसका प्रशासन तिरुपति तिरुमाला देवस्थानम संभालता है।

मै कोई दो दशक पहले इस मंदिर में गया था। मै भी प्रसादम कि कुछ लड्डुओं कि पैकेट लेकर आया था । उस समय कि लड्डुयों में चर्बी थी या नहीं ये मुझे ज्ञात नहीं है । मैंने उन लड्डुओं को खुद खाया और अपने नाते-रिश्तेदारों को भी खिलाया था। इस मंदिर परिसर में बनी रसोई कोई आज की नहीं बल्कि तीन सौ साल पुरानी है। इसे 'पोटू' कहते है। यहां रोज 3.50 लाख लड्डू बनते हैं,वो भी शुद्ध देसी घी के। यह मंदिर का मुख्य प्रसाद है, जिसे करीब दो सैकड़ा ब्राह्मण बनाते हैं। लड्डू में शुद्ध बेसन, बूंदी, चीनी, काजू और शुद्ध घी होता है। मजे की बात ये है कि तिरुपति ट्रस्ट ने करीब एक लाख लड्डू राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के वक्त अयोध्या भेजे थे।अब ये लड्डू किस-किसने खाये ,राम ही जानें ?

खबर है की आंध्र में भी दूसरे राज्यों की तरह लागत कम करने के लिए चर्बी मिलाकर देशी घी बनाया जाता है। मजे की बात ये है कि आंध्र प्रदेश की टीडीपी सरकार ने घी सप्लाई का काम 29 अगस्त को केएमएफ़ को फिर से दे दिया है। केएमएफ़ नंदिनी ब्रांड का देसी घी सप्लाई करता है। उधर, न्यास ने घी की गुणवत्ता की निगरानी के लिए चार सदस्यीय विशेष समिति बना दी है।अब गौर करने की बात ये है की

एनएबीएल घी में चर्बी कि मिलावट की बात मैंने को राजी नहीं है । उसके अधिकारियों का दावा है कि शुद्ध घी में कभी भी चर्बी का इस्तेमाल नहीं होता। हालांकि, कई बार उत्पादन लागत कम करने के लिए इनका उपयोग हो रहा है।पिछले साल जब केएमएफ़ ने सप्लाई रोकी थी, तब उसने दावा किया था कि यदि कोई भी कंपनी इससे कम कीमत पर ट्रस्ट को बोली हासिल करती है तो वह निश्चित तौर पर लड्डू की गुणवत्ता से समझौता करेगी। इसका प्रभाव प्रसादम पर देखने को मिलेगा।

लाभ कमाने कि लिए हम भारतीय किस हद तक गिर सकते हैं ,ये तिरुपति कि प्रसादम में मिलावट की इस घटना से जाहिर होता ह। हम मुनाफे कि लिए न पाकीजगी देखते हैं और न भगवान से डरते है। इंसान से तो डरने का सवाल ही नहीं उठता। अब यदि आपने भी ये प्रसादम खाया हो तो जाइये किसी पंडित से मिलिए और प्रायश्चित कीजिये,क्योंकि सरकारें तो प्रायश्चित करतीं नहीं हैं फिर चाहे वो जगन की सरकार हो या चंद्र बाबू की। सरकारों का काम तो सिर्फ मुनाफा कामना होता है। भगवान वैंकटेश्वर सबकी रक्षा करें । आप भी प्रसादम पाकर अपने कल्याण का भाव छोड़ दें तो इस जाने-अनजाने पाप से बच सकते है। वैसे इस देश में खाद्य पदार्थों में देशी घी के नाम पर चर्बी परोसे जाने का काम युगों से चल रहा है।चॉकलेट हो या बिस्कुट,केक हो या आइसक्रीम ,नमकीन हो या मिठाई सभी में देशी घी के नाम पर चर्बी धड़ल्ले से मिलाई जा रही है ,क्योंकि इस देश में भगवान के नाम पर राजनीति सब करते हैं,लेकिन भगवान से डरता कोई नहीं है। सिवाय गरीबों के। (लेखक-राकेश अचल/ईएमएस)

भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद ने किया हैरिस के पक्ष में प्रचार

वाशिंगटन,(ईएमएस)। भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कमला हैरिस के पक्ष में चुनाव प्रचार किया। मिशिगन में वैसे तो कृष्णमूर्ति इलिनोइस से सांसद हैं, उन्होंने यह सप्ताह राज्य की राजधानी डेट्रोइट में बिताया और हैरिस के पक्ष में चुनाव प्रचार किया।

इस दौरान कृष्णमूर्ति एक मंदिर और कई पूजा स्थलों पर भी गए। कृष्णमूर्ति ने चुनाव प्रचार के दौरान कहा कि पहले दक्षिण एशियाई राष्ट्रपति के लिए हमारे समुदाय में उत्साह होना बहुत स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि मैं पूरे देश में और इलिनोइस राज्य में यात्रा करना जारी रखूंगा ताकि कमला हैरिस को अमेरिका का अगला राष्ट्रपति चुने जाने की दिशा में हर संभव मदद कर सकूं।

चाय अर्थव्यवस्था, संबंधों और स्वास्थ्य की कुंजी

(अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस पर विशेष)

चाय एक ऐसा पेय पदार्थ है जो अर्थव्यवस्था और संबंधों को मजबूत करने और बेहतर स्वास्थ्य में अहम भूमिका निभाती है। इससे हजारों लोगों की रोजी रोटी जुडी होती है। दुनियाभर में करोड़ों लोगों की सुबह चाय की पहली चुस्की से होती है। चाय रिश्तों की प्रगाढ़ता में अपना अहम महत्व रखती है। चाय के महत्व और इसके उत्पादकों को सम्मानित करने, चाय उद्योग में काम करने वाले लोगों के योगदान को पहचानने और चाय की सांस्कृतिक और आर्थिक महत्ता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र महासभा 21 मई को 'अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस' के रूप में मनाए जाने की घोषणा की थी। यह दिवस दुनिया भर में चाय की खपत को बढ़ाने और इसे पीने से होने वाले स्वास्थ्य लाभों के बारे में लोगों को जागरूक करना के लिए भी जाना जाता है। चाय व्यापार से जुड़े लोगों को चाय उत्पादन के बारे में जानकारी देने के लिए विशेष महत्व रखता है। चाय हमारे देश भारत में पानी के बाद सबसे अधिक पिया जाने वाला पेय पदार्थ है, और इसका महत्व सिर्फ स्वाद तक ही सीमित नहीं है। चाय की शुरुआत भारत के पूर्वोत्तर इलाकों, म्यांमार के उत्तरी क्षेत्र और चीन के दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र में हुई थी, और इसका पौधा केमेलिया सिनेसिस नामक पौधे से तैयार किया जाता है।

:: हजारों वर्ष और चाय का लंबा सफर ::

चाय ने हजारों साल के अपने लम्बे सफर में, आम जीवन, स्वास्थ्य, संस्कृति, विरासत और सामाजिक-आर्थिक विकास में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखी है। यहां तक कि चाय बागानों से विश्व भर में करीब सवा करोड़ लोगों को वित्तीय सहारा मिलता है, जिनमें लघु किसान, उनके घर-परिवार भी हैं, जो अपनी आजीविका के लिए चाय सैक्टर पर निर्भर हैं।

:: चाय उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले देश ::

दुनिया में चीन चाय का सबसे बड़ा उत्पादक देश, जो विश्व की कुल चाय उत्पादन का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा प्रदान करता है। भारत दुनिया में चाय का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश, जो विश्व की कुल चाय उत्पादन का लगभग 27 प्रतिशत हिस्सा प्रदान करता है। श्रीलंका चाय का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश, जो विश्व की कुल चाय उत्पादन का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा प्रदान करता है और सबसे ज्यादा निर्यात करने वाला देश भी है। जापान में भी चाय का उत्पादन किया जाता है, यहा खासकर हरी चाय का उत्पादन होता है। दुनिया में कई अन्य देश भी चाय का उत्पादन करते हैं, जिनमें केन्या, तुर्की, वियतनाम, अर्जेंटीना, मलावी, तंजानिया, यूगांडा, और इंडोनेशिया प्रमुख हैं। भारत में चाय की खेती मुख्य रूप से असम, दार्जिलिंग, और नीलगिरि जैसे क्षेत्रों में की जाती है, जहां समुद्र तल से 610 से 1,830 मीटर ऊंचे पहाड़ी ढ़ालों पर चाय के उद्यान हैं। भारत में चाय उत्पादन का इतिहास 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश शासनकाल में शुरू हुआ, जब अंग्रेजों ने असम में चाय के बाग लगाए।

:: चाय और अर्थव्यवस्था का गहरा संबंध ::

भारत चाय लगभग 27 प्रतिशत चाय उत्पादन करते हुए विश्व उत्पादन में महत्वपूर्ण भागीदारी करता है। भारत से चाय का निर्यात विश्व के विभिन्न देशों में किया जाता है, जो देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान करता है। चाय उद्योग भारत में लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करता है। चाय और अर्थव्यवस्था के बीच गहरा संबंध है। भारत में चाय उद्योग लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करता है, जिसमें चाय बागानों में काम करने वाले श्रमिकों से लेकर चाय उत्पादन और विपणन में शामिल लोग प्रमुख हैं। चाय उद्योग ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देता है, जहां चाय बागान स्थित हैं। चाय उद्योग से सरकार को महत्वपूर्ण कर राजस्व प्राप्त होता है। वहीं चाय पेय पदार्थ के रूप में देशभर में हजारों दुकानों के माध्यम से रोजगार का सस्ता और सुलभ तथा सशक्त माध्यम है।

:: चाय उद्योग की आर्थिक चुनौतियाँ ::

चाय उद्योग जहां अर्थ व्यवस्था को मजबूत करता है, वहीं बाजार में चाय की कीमतों में उतार-चढ़ाव से उद्योग की आय प्रभावित होती है। चाय उत्पादन की लागत बढ़ने से उद्योग की लाभप्रदता प्रभावित होती है। विश्व बाजार में चाय की प्रतिस्पर्धा बढ़ने से भारतीय चाय उद्योग की स्थिति प्रभावित होती है। मौसम की समस्याएं जैसे कि सूखा या बाढ़ से चाय उत्पादन प्रभावित होता है।

:: चाय उद्योग के विकास के लिए सरकारी पहल ::

भारत सरकार ने चाय उद्योग को सशक्त करने के लिए कई प्रयास किये है। भारत सरकार ने चाय बोर्ड की स्थापना की है, जो चाय उद्योग के विकास के लिए काम करता है। सरकार चाय निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रोत्साहन प्रदान करती है। सरकार चाय की उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार के लिए कृषि अनुसंधान को बढ़ावा देती है।

:: चाय में एंटीऑक्सीडेंट और अन्य पोषक तत्व होते हैं ::

चाय की पेय महत्ता और अर्थव्यवस्था का संबंध बहुत गहरा है। चाय न केवल एक पेय पदार्थ है, बल्कि यह विश्व अर्थव्यवस्था और संबंधों की व्यवस्था को भी प्रगाढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जो विभिन्न संस्कृतियों और समाजों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। चाय में एंटीऑक्सीडेंट और अन्य पोषक तत्व होते हैं जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होते हैं। चाय सामाजिक समारोहों और मुलाकातों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। चाय विभिन्न संस्कृतियों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है, जैसे कि जापानी का चाय समारोह।/ पीएम

शब्द पहेली - 8135

बाएँ से दाएँ

1. खटपट,ठनाठनी-4
4. पंजाब की एक नदी-4
6. चित्रकमेल,लम्बी गर्दनवाला पशु-3
8. दंड,दम,शामन-3
9. धरा,भूमि-3
11. शासन व्यवस्था,रहस्य-2
13. नवचंद्राकार-5
15. अकेला-2
16. दया,करुणा-3
18. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
19. देवर्षि,देवमुनि-3
20. सब्जी,भाजी-4
22. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4

ऊपर से नीचे

1. गुनाह,दोष,जुर्म-3
2. अपराधमुक्त,निवृत्त-2
3. सौत,दूसरी स्त्री-3
4. होशियार,गुणवान-5
5. भूकम्प-4
7. भेद,तुलना-3
10. परिचर्या-5
12. स्वभाव-4
14. स्थित होना-3
17. श्मशान-4
18. गृह,भवन-3
21. जीवन,जीव, स्फूर्ति-2

शब्द पहेली -8134 का हल

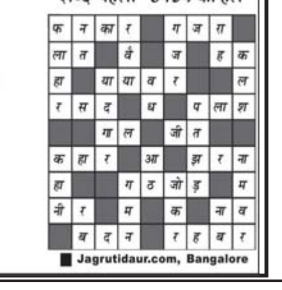

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

भारत के धनुष ने विश्व भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में कांस्य जीता

लियोन (ईएमएस)। भारत के लोगानाथन धनुष को यहां आईडब्ल्यूएफ जूनियर विश्व भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में तीसरा स्थान मिला है। इस प्रकार धनुष ने 55 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया है। धनुष जूनियर भारोत्तोलन विश्व चैम्पियनशिप में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष एथलीट हैं। धनुष ने कुल 231 किग्रा का वजन उठाया और स्नैच स्पर्धा में 107 किग्रा का वजन उठाकर कांस्य पदक हासिल किया।

धनुष यहां ग्रुप बी में शामिल थे। वहीं यहां अधिक ज्यादा वजन उठाने वाले भारोत्तोलकों को ग्रुप ए में रखा गया है। इसके बाद ग्रुप बी और अन्य ग्रुप हैं। धनुष ने क्लीन एवं जर्क वर्ग में 124 किग्रा के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ ही 13 वां स्थान हासिल किया था। वहीं वियतनाम के के डुओंग ने 253 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण जबकि जापान के तोमारी कोटारो ने 247 किग्रा वजन उठाकर रजत पदक जीता। वहीं महिलाओं की स्पर्धा में भारत की पायल 45 किग्रा वजन वर्ग में कुल 150 किग्रा वजन के साथ ही छठे स्थान पर रही।

अथापथु की कप्तानी में टी20 महिला विश्व कप 2024 में उतरेगी श्रीलंकाई टीम

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने अगले माह होने वाले महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। श्रीलंकाई टीम की कप्तानी ऑलराउंडर चमारी अथापथु को मिली है। इस टीम में बाएं हाथ की स्पिनर इनोका रानावीरा को भी शामिल किया गया है। रानावीरा की काफी समय बाद वापसी हुई है। उन्हें अंतिम बार महिला टी20 विश्व कप क्वालीफायर 2024 के लिए टीम में शामिल किया गया था।

इनोका ने श्रीलंका के लिए 82 टी20आई खेलों में 5.86 की इकॉनमी रेट से 91 विकेट लिए हैं। इसके अलावा टीम में इनोशी प्रियदर्शनी, सुगंधिका कुमारी और कविशा दिलहारी को भी स्पिनर के तौर पर जगह मिली है। उदेशिका प्रबोधनी, अचिनी कुलसुरिया और अमा कंचना को तेज गेंदबाज के तौर पर शामिल किया गया है।

बल्लेबाजी की कमान चमारी और कविशा के अलावा, विशमी गुणरत्ने और हर्षिता समाविक्रमा के पास रहेगी। श्रीलंकाई टीम 2024 महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप ए मुकाबले में गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के साथ खेलेगी। श्रीलंकाई टीम अपना पहला मैच 3 अक्टूबर को पाकिस्तान से खेलेगी।

श्रीलंकाई टीम इस प्रकार है : चमारी अथापथु (कप्तान), अनुष्का संजीवनी, हर्षिता माधवी, नीलाक्षी डी सिल्वा, इनोका राणावीरा, हसीनी परेरा, कविशा दिलहारी, सचिनी निसानसाला, विशमी गुणारत्ने, उदेशिका प्रबोधनी, अचिनी कुलसुरिया, सुगंधिका कुमारी, इनोशी प्रियदर्शनी, शशिनी गिम्हानी, अमा कंचना।

दिलीप ट्रॉफी में सैमसन ने लगाया शतक

अनंतपुर (ईएमएस)। ईशान किशन की जगह दलीप ट्रॉफी के लिए इंडिया डी में शामिल विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन ने शानदार शतक लगाकर अपने चयन को सही साबित किया है। ये प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सैमसन का पहला शतक है। सैमसन ने अपनी आक्रामक पारी के दौरान 12 चौके और तीन छक्के लगाए। सैमसन ने इंडिया बी के खिलाफ मुकाबले में ये शतक लगाकर अपनी टीम को बेहतर हाल में पहुंचाया। ये सैमसन का 11वां प्रथम श्रेणी शतक है। सैमसन को ईशान के चोटग्रस्त होकर बाहर होने से दलीप ट्रॉफी टीम में शामिल किया गया था। सैमसन ने पहले राउंड में बाहर होने के बाद दूसरे राउंड में इंडिया ए के खिलाफ 5 और 40 रन ही बनाए थे। अब इस शतक के साथ ही सैमसन ने एक बार फिर टीम इंडिया में जगह के लिए अपनी दावेदारी पेश कर दी है।

भारतीय टीम की पहली पारी में बने कई रिकार्ड

चेन्नई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश के साथ जारी पहले क्रिकेट टेस्ट मैच की पहली पारी में एक से अधिक रिकार्ड बनाये हैं। इस मैच में एक समय भारतीय टीम ने 34 रनों पर ही 3 विकेट खो दिये थे। इसके बाद भी भारतीय टीम 376 रनों तक पहुंची। यह भारतीय टीम के साथ दूसरी बार हुआ है जब 150 से कम स्कोर पर 6 विकेट गिरे हों पर इसके बाद भी टीम के निचले क्रम के बल्लेबाजों ने 232 रन बना दिये हों। इससे पहले साल 1971 में भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ ब्रिजटाउन में 70 रनों पर 6 विकेट गिरने के बाद 347 रन बना दिये थे। इस मैच में भारतीय टीम के निचले क्रम के बल्लेबाज आर अश्विन ने शतक लगाया। इसी के साथ ही अश्विन टेस्ट मैचों में 8वें नंबर या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ियों में अब दूसरे स्थान पर पहुंच चुके हैं। आर अश्विन और रवींद्र जडेजा की जोड़ी ने इस पारी में 199 रनों की साझेदारी की जो भारत के लिए बांग्लादेश के खिलाफ की गई पांचवीं सबसे बड़ी साझेदारी है। यह भारत की बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट मैचों में 7वें या उससे निचले विकेट के लिए अब तक की सबसे बड़ी साझेदारी है। इसने 2004 में ढाका में सचिन तेंदुलकर और जहीर खान के बीच 10वें विकेट के लिए हुई 133 रनों की साझेदारी को भी पीछे छोड़ दिया है। भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट मैचों में सर्वाधिक रनों की साझेदारी शिखर धवन और मुरली विजय ने 283 रनों की बनायी थी। वहीं भारतीय टीम के खिलाफ इस मैच में बांग्लादेश के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हसन महमूद ने 83 रन देकर 5 विकेट लिए। महमूद पांचवें बांग्लादेश गेंदबाज हैं जिन्होंने भारतीय टीम के खिलाफ पांच विकेट लिए हैं। इससे पहले बांग्लादेश के नैमुर रहमान , शाकिब अल हसन , मेहदी हसन मिराज और शहादत हुसैन ने ही पांच विकेट लिए थे।

एलएलसी का तीसरा सत्र आज से शुरु

नई दिल्ली (ईएमएस)। लीजैंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) का तीसरा सत्र आज से शुरु हुआ। इस लीग में केवल पूर्व क्रिकेटर ही खेल सकते हैं। ये लीग 16 अक्टूबर तक खेली जाएगी, जिसमें कुल 6 टीमें हिस्सा ले रही हैं। जिसमें, इंडिया कैपिटल्स, गुजरात जायंट्स, कोणार्क सूर्यास, मणिपाल टाइगर्स, सदर्न सुपरस्टार और अर्बनराइजर्स हैदराबाद शामिल हैं। इस लीग के सभी मैच जोधपुर, जम्मू और कश्मीर व सूरत में खेले जाएंगे। इस बार इसमें क्रिस गेल, हरभजन सिंह, सुरेश रैना, शिखर धवन, मोहम्मद कैफ और दिनेश कार्तिक जैसे स्टार क्रिकेटर भी शामिल हैं। इसके अलावा हाल में संन्यास लेने वाले शिखर धवन भी इस लीग में खेलते नजर आयेंगे।

धवन के अलावा दिनेश कार्तिक भी इसमें खेलेंगे दिखेंगे। इसमें छह टीमें के बीच 25 मैच खेले जाएंगे। खिताबी मुकाबला 16 अक्टूबर को श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम खेला जाएगा। फ्रेंचाइजी आधारित इस टूर्नामेंट में 200 खिलाड़ियों का एक पूल बनाया गया है।

एलएलसी के सह संस्थापक रमन रहेजा ने कहा, 'लीजैंड्स लीग क्रिकेट के इस सत्र में कश्मीर में भी मैच खेल जाएंगे। इससे कश्मीर के लोगों को भी स्टेडियम में मैच देखने का अवसर मिलेगा। आयोजकों ने कहा कि पिछले सत्र में इस लीग को देश में 18 करोड़ लोगों ने देखा था। पिछली बार इसमें सुरेश रैना, आरोन फिंच, मार्टिन गुप्टिल, गौतम गंभीर, क्रिस गेल, हाशिम अमला, रोस टेलर जैसे दिग्गजों ने खेला था।

हेड के शानदार शतक से ऑस्ट्रेलिया ने पहले एकदिवसीय में इंग्लैंड को हराया

नौटिंघम (ईएमएस)। ओपनर ट्रेविस हेड के शानदार शतक के बाद मार्नस लैबुशेन के ऑलराउंड प्रदर्श से ऑस्ट्रेलिया ने यहां पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मैच में मेजबान इंग्लैंड को 7 विकेट से हरा दिया। इस प्रकार 5 मैचों की इस सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम को 1-0 की बढ़त मिल गयी है। ऑस्ट्रेलिया की एकदिवसीय में यह लगातार 13वीं जीत है। इसमें हेड ने 154 रन की नाबाद पारी खेली जबकि लैबुशेन ने 3 विकेट के साथ ही 77 रन बनाये।

इस मैच में जीत के लिए मिले 316 रन के लक्ष्य को ऑस्ट्रेलिया ने 44 ओवरों में ही हासिल कर लिया। हेड ने 129 गेंदों पर नाबाद 154 रन बनाए जिसमें 20 चौके और 5 छक्के शामिल थे, वहीं लैबुशेन ने 61 गेंदों पर 77 रन की पारी खेली। उन्होंने 7 चौके और दो छक्के लगाये। दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए नाबाद 148 रन बनाये। वहीं कप्तान मिचेल मार्श 10 रन बनाकर आउट हुए जबकि स्टीवन स्मिथ ने 32 रन बनाये। कैमरन ग्रीन ने 32 रन बनाये। वहीं इंग्लैंड की ओर से मैथ्यू पॉट्स, लियाम लिविंगस्टोन और जैकब बाथेल ने एक एक विकेट लिया. इससे पहले मेजबान इंग्लैंड टीम ने बेन डकेट के 95 रन और विल जैक्स के 62 रनों की सहायता से 315 रन बनाए। डकेट ने 91 गेंद में 11 चौके लगाये जबकि जैक्स ने पांच चौके और दो छक्के मारे। कप्तान हैरी ब्रुक ने 39 और जैकब बेथेल ने 35 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एडम जम्पा और मार्नस लैबुशेन ने तीन-तीन विकेट लिए जबकि हेड ने दो विकेट लिए।

रेपो रेट में फरवरी 2025 से पहले कटौती की उम्मीद नहीं: रिपोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट के अनुसार हाल ही में यूएस फेडरल रिजर्व की ओर से नीतगत ब्याज दरों में 50 आधार अंकों (बीपीएस) की कटौती के बाद भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) भी इसी तरह के कदम पर विचार कर सकता है, लेकिन इस साल ऐसा होने के आसार कम हैं। रिपोर्ट के अनुसार संभावित रूप से फरवरी 2025 तक दर में भारत का केंद्रीय बैंक कटौती की घोषणा कर सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत का उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति जिसे हम खुदरा महंगाई दर कहते हैं अगस्त 2024 में सालाना आधार पर 3.65 प्रतिशत के करीब पहुंचते हुए पांच साल के निचले स्तर पर आ गई है। रिपोर्ट के अनुसार ?वित्त वर्ष 2024 में आरबीआई की ओर से किसी भी दर कटौती की उम्मीद कम है। अब तक के अनुमानों के अनुसार 2025 की शुरुआत में संभवतः फरवरी में दर कटौती का फैसला लिया जा सकता है। बीते बुधवार को भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन सी. श्रीनिवासुलु शेट्टी ने भी साक्षात्कार में ऐसा ही अनुमान जताया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंकिंग क्षेत्र के लिए तरलता की चुनौतियां बनी रहेंगी क्योंकि सरकारी नकदी शेष धीरे-धीरे बैंकिंग प्रणाली से बाहर निकल रही है। सितंबर और अक्टूबर में मुद्रास्फीति में अपेक्षित उछाल के बावजूद, आने वाले महीनों में सीपीआई मुद्रास्फीति के 5 प्रतिशत से नीचे या उसके करीब रहने का अनुमान है। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए औसत मुद्रास्फीति 4.6 प्रतिशत से 4.7 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है। इस तरह, यह आरबीआई के 4-6 प्रतिशत के लक्ष्य सीमा के भीतर रहेगी।

देश में ईवी के लिए बनेंगे 74,300 चार्जिंग केंद्र

- ईवीपीसीएस पर अनुमानित 2 हजार करोड़ रुपये खर्च करने की योजना

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) चार्जिंग स्टेशन बनाने और उसके संचालन के दिशा निर्देश में बदलाव कर संशोधित दिशानिर्देश जारी किए हैं। सरकार की कवायद हाल ही में पेश की गई 10,900 करोड़ रुपये की पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हासमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना के बाद की गई है, जिसमें पूरे देश में चार्जिंग बुनियादी ढांचा बनाने पर ध्यान दिया गया है।

इस योजना में इलेक्ट्रिक वाहन सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन (ईवीपीसीएस) की स्थापना को बढ़ावा देकर ईवी खरीदारों की चिंता को भी दूर करने का प्रयास किया गया है। ये ईवीपीसीएस वैसे शहरों और राजमार्गों पर लगाए जाएंगे जहां बड़ी संख्या में इलेक्ट्रिक वाहन हैं। कुल मिलाकर 74,300 चार्जर लगाए जाएंगे, जिसमें इलेक्ट्रिक कारों के लिए 22,100 फास्ट चार्जर, इलेक्ट्रिक बसों के लिए 1,800 फास्ट चार्जर और इलेक्ट्रिक दोपहिया एवं तिपहिया वाहनों की चार्जिंग के लिए 48,400 फास्टर चार्जर शामिल हैं। ईवीपीसीएस पर अनुमानित 2 हजार करोड़ रुपये खर्च करने की योजना है। विद्युत मंत्रालय द्वारा 18 सितंबर को जारी किए गए दिशानिर्देशों का मकसद सरकार और निजी कंपनियों के बीच एक नए राजस्व साझाकरण मॉडल के जरिये सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन की स्थापना को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाने का है।

यह दिशानिर्देश ईवी चार्जिंग वाली जगहों की एक विस्तृत श्रृंखला लागू करने के लिए भी तय की गई है। इनमें निजी पार्किंग स्थल और कार्यालय भवन, शैक्षणिक संस्थान, अस्पताल और ग्रुप आवासीय सोसायटी जैसे अर्ध प्रतिबंधित क्षेत्र शामिल हैं। सार्वजनिक स्थानों में वाणिज्यिक परिसर, रेलवे स्टेशन, पेट्रोल पंप, हवाई अड्डा, मेट्रो स्टेशन, शॉपिंग मॉल, नगरपालिका की पार्किंग, हाईवे, एक्सप्रेस वे जैसे स्थल शामिल किए गए हैं।

विद्युत मंत्रालय ने पहली बार साल 2018 में 14 दिसंबर को ईवी चार्जिंग बुनियादी ढांचे के मानक जारी किए थे। तब से अब तक ईवी क्षेत्र की तेजी से बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए उनमें पांच बार बदलाव किया जा चुका है। इससे पहले पिछले साल अप्रैल में संशोधन किया गया था, जिसमें सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों पर चार्ज प्वाइंट ऑपरेटरों द्वारा लिए जाने वाले शुल्क पर अधिकतम सीमा लागू की गई थी।

ऑनलाइन सामान मंगाना होगा सस्ता, लाजिस्टिक लागत कम करेगी सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार अगले 5 सालों में लॉजिस्टिक्स लागत कम करने की योजना बना रही है। अगर ऐसा होता है तो ऑनलाइन मंगाए जाने वाले सामान के साथ खाने-पीने और दूसरी चीजों की कीमत में कमी आ सकती है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लॉजिस्टिक्स लागत कम करने की बात कही। उन्होंने डेलॉयट गवर्नमेंट समिट में कहा कि मिनिस्ट्री कई हाईवे और एक्सप्रेसवे का निर्माण कर रही है। इससे भारत की लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने में मदद मिलेगी।

गडकरी ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि अगले पांच वर्षों में हमारी लॉजिस्टिक्स लागत सिंगल डिजिट में आ जाएगी। हालांकि इकनॉमिक रिसर्च संस्थान टैंक नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) के अनुमान के अनुसार भारत में लॉजिस्टिक्स लागत 2021-22 में सकल घरेलू उत्पाद के 7.8 फीसदी से 8.9 फीसदी के बीच थी। गडकरी ने कहा कि उनका लक्ष्य भारत की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को दुनिया में नंबर वन बनाना है।

भारत पिछले साल जापान को पीछे छोड़कर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मोटर वाहन बाजार बन गया था। भारत से आगे सिर्फ अमेरिका और चीन थे। गडकरी ने कहा कि भारत की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री का आकार 2014 में 7.5 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 में 22 लाख करोड़ रुपये हो जाएगा। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है।

उन्होंने कहा कि अगर हम किसानों की क्रय शक्ति बढ़ा सकें तो इसका हमारी अर्थव्यवस्था पर बड़ा सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। गडकरी ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत को अपना निर्यात बढ़ाने और आयात कम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि देश के विकास के लिए स्मार्ट शहरों की तरह स्मार्ट गांव भी जरूरी हैं।

फेड के ब्याज दर कटौती से भारत में विदेशी निवेश पर नहीं होगा असरः आर्थिक सचिव

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में 0.50 फीसदी की कटौती का भारत में विदेशी निवेश पर कोई असर नहीं पड़ेगा।?आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ ने कहा ?कि फेडरल रिजर्व ने दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा फैसला किया है। लेकिन आरबीआई भारतीय अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखकर कटौती का फैसला करेगा। अमेरिकी केंद्रीय बैंक का फैसला भारत सहित वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक है। हमें देखना होगा कि अमेरिकी ब्याज दरों का स्तर कहां है? अन्य बाजार कैसा व्यवहार करते हैं। फेडरल रिजर्व ने बुधवार देर रात चार साल बाद ब्याज दरों में 0.50 फीसदी की कटौती की थी। सेठ ने कहा ?कि भारत में ब्याज दर में कटौती पर फैसला आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) उचित समय पर लेगी। एमपीसी का फैसला इस पर आधारित है कि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए क्या अच्छा है। एमपीसी की तीन दिवसीय बैठक अगले महीने होनी है। फरवरी, 2023 से रेपो दर में बदलाव नहीं हुआ है और यह 6.5 फीसदी पर स्थिर है। भारत के एक आर्थिक सलाहकार ने कहा ?कि फेडरल रिजर्व के कदम का असर भारत पर कम होगा, क्योंकि नीतिगत दर पहले से ही बहुत ज्यादा थी। भारतीय शेयर बाजार पहले से ही निवेशकों को आकर्षित कर रहा है। कुल मिलाकर दर में कटौती उभरते बाजारों के लिए सकारात्मक है।

सोने का भाव 73,500 रुपए, चांदी पहुंची 90 हजार के पार

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने और चांदी के वायदा भाव में शुक्रवार को तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। शुक्रवार को सोने के वायदा भाव 73,500 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 90,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई लेकिन सोने के वायदा भाव बाद में सुधर गए। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज तेजी के साथ हुई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉट्रेक्ट 181 रुपये की तेजी के साथ 73,619 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 64 रुपये की तेजी के साथ 73,502 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 24 रुपये की तेजी के साथ 89,992 रुपये पर खुला। इस समय यह 87 रुपये की तेजी के साथ 90,055 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। लेकिन बाद में भाव चढ़ गए। चांदी की शुरुआत नरमी के साथ ही हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,611.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,614.60 डॉलर प्रति औंस था। ?फिलहाल यह 2.10 डॉलर की तेजी के साथ 2,616.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.11 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.42 डॉलर था। ?फिलहाल यह 0.02 डॉलर की गिरावट के साथ 31.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

2024 में टैक्स रिफंड में आया उछाल, एक साल में 56.49 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। देश की मजबूत अर्थव्यवस्था का असर प्रत्यक्ष कर संग्रह पर भी पड़ रहा है। इसमें वित्त वर्ष 2024-25 की शुरुआत से अब तक पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 16 फीसदी से ज्यादा की बढ़त देखने को मिली है। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में यानी 1 अप्रैल से 17 सितंबर तक देश का प्रत्यक्ष कर संग्रह 16.12 फीसदी से बढ़कर 9.95 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इस दौरान टैक्स रिफंड में भी उछाल आया है और यह पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 56.49 फीसदी बढ़कर 2.05 लाख करोड़ रुपए हो गया।

1 अप्रैल से 17 सितंबर के बीच शुद्ध व्यक्तिगत आयकर संग्रह में भी बड़ा उछाल आया है। यह सालाना आधार पर 19 फीसदी से बढ़कर 5.15 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इस दौरान कॉरपोरेट टैक्स कलेक्शन 10.55 फीसदी बढ़कर 4.52 लाख करोड़ रुपए हो गया है। सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) का संग्रह बढ़कर 26,154 करोड़ रुपए हो गया। अग्रिम कर संग्रह सालाना आधार पर 22.61 फीसदी बढ़कर 4.36 लाख करोड़ रुपए हो गया है। अग्रिम व्यक्तिगत आय संग्रह में 39.22 फीसदी का इजाफा हुआ है। कॉरपोरेट टैक्स में 18.17 फीसदी की बढ़त हुई है। समीक्षा अवधि में रिफंड को मिलाकर सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 21.48 फीसदी से बढ़कर 12.01 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया।

चालू वित्त वर्ष में सरकार की ओर से प्रत्यक्ष करों से 22.12 लाख करोड़ रुपए एकत्र करने का लक्ष्य तय किया है, जो कि पिछले वित्त वर्ष से करीब 13 फीसदी ज्यादा है। देश में प्रत्यक्ष कर संग्रह में बढ़त की वजह अर्थव्यवस्था का मजबूत करना है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था 8.4 फीसदी की दर से बढ़ी। 2024-25 में 7.2 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया जा रहा है।

इजराइल की लेबनान पर सबसे बड़ी एयरस्ट्राइक 70 से ज्यादा हमले, हिजबुल्लाह के 1000 रॉकेट बैरल तबाह; हथियार डिपो भी बर्बाद हुआ

बेरूत (ईएमएस)। लेबनान में पिछले तीन दिन से पेजर, वॉकी-टॉकी और फिर सोलर एनर्जी सिस्टम में धमाकों के बाद इजराइल ने गुरुवार रात दक्षिणी लेबनान में 70 हवाई हमले किए। गाजा युद्ध शुरू होने के बाद इजराइल का लेबनान पर यह सबसे बड़ा हमला है। इजराइल डिफेंस फोर्स ने कहा कि उन्होंने लेबनान में हिजबुल्लाह के 100 से ज्यादा रॉकेट लॉन्चर्स पर हमला कर उन्हें तबाह कर दिया है। इनमें 1000 रॉकेट बैरल तबाह हो गए। इजराइल डिफेंस फोर्स ने कहा कि हिजबुल्लाह इन हथियारों से इजराइल पर हमले की तैयारी में था।

इजराइली सेना ने हिजबुल्लाह की कई इमारतों और एक हथियार डिपो को भी तबाह करने का दावा किया। इससे पहले लेबनान में 17-18 सितंबर को पेजर और वॉकी-टॉकी में धमाके हुए थे। इनमें 37 लोगों की मौत हो गई थी और 2300 लोग घायल हुए थे। लेबनान और हिजबुल्लाह ने इन हमलों के लिए इजराइल को जिम्मेदार ठहराया है।

बम शेल्टरों के करीब रहें इजराइली नागरिक

हमले के बाद इजराइल डिफेंस फोर्स ने नॉर्थ इजराइल में रह रहे नागरिकों के लिए गाइडलाइन भी जारी की है। इसमें उनसे बम शेल्टरों के करीब रहने के लिए कहा गया है। इसके अलावा इजराइली नागरिकों को बिना जरूरत सार्वजनिक जगहों पर इकट्ठा न होने की सलाह दी गई है। उन्हें हर कस्बे, इलाके और समुदायों की सही तरह से सुरक्षा करने के लिए कहा गया है।

हिजबुल्लाह चीफ ने सीरियल धमाकों को बताया जंग का ऐलान

लेबनान पर हमले की शुरुआत तब हुई जब हिजबुल्लाह के चीफ हसन नसरल्लाह पेजर और वॉकी-टॉकी ब्लास्ट के बाद अपना पहला भाषण दे रहे थे। उनके भाषण के बाद भी देर रात तक इजराइली सेना ने लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमले किए। अपने भाषण में नसरल्लाह ने धमाके में मारे गए लोगों के प्रति दुख जताया था। हिजबुल्लाह चीफ ने कहा था कि इजराइल ने इन हमलों के साथ सारी हदें पार कर दी हैं। यह जनसंहार लेबनान के लोगों के खिलाफ इजराइल की जंग की शुरुआत है। नसरल्लाह ने इजराइल को धमकी देते हुए कहा कि पिछले दो दिनों में जो हमले हुए उसके लिए उन्हें कड़ी सजा दी जाएगी। अगर इजराइली सैनिक दक्षिणी लेबनान में घुसते हैं तो ये हिजबुल्लाह के लिए बदला लेने का ऐतिहासिक मौका होगा। गाजा युद्ध शुरू होने के बाद इजराइल का लेबनान पर यह सबसे बड़ा हमला है।

भारतीय टीम ने पहले टेस्ट में शिंकंजा कसा , 308 रन की बढ़त हासिल की

चेन्नई (ईएमएस)। भारतीय टीम ने यहां बांग्लादेश के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में अपना शिकंजा कस दिया है। भारतीय टीम ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक इस मैच में 308 रन की बढ़त हासिल कर ली है। वहीं अभी तीन दिनों का खेल शेष है। भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 376 रन बनाये जबकि बांग्लादेश की टीम अपनी पहली पारी में 149 रनों पर ही सिमट गयी। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर भारतीय टीम को 227 रनों की बढ़त हासिल हो गयी थी। इसके बाद भारतीय टीम ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी दूसरी पारी में 3 विकेट खोकर 81 रन बनाए। भारतीय टीम की दूसरी पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। यशस्वी जायसवाल के साथ रोहित शर्मा पारी की शुरुआत की पर रोहित 5 रनों पर ही आउट हो गये। इसके बाद यशस्वी जायसवाल भी 10 रनों पर आउट हो गये। विराट कोहली भी दूसरी पारी में 17 रन ही बना पाये। दिन का खेल खत्म होने तक शुभमन गिल 33 और ऋषभ पंत 12 रन बनाकर खेल रहे थे।

वहीं इससे पहले भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश के बल्लेबाजों को पहली पारी में 149 रनों पर ही आउट कर दिया। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर भारतीय टीम को 227 रनों की अच्छी खासी बढ़त मिल गयी है। भारतीय टीम की ओर से तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने सबसे अधिक चार विकेट लिए। वहीं मोहम्मद सिराज, आकाशदीप और रविंद्र जडेजा ने 2-2 विकेट लिए। बांग्लादेश की ओर शाकिब अल हसन ने सबसे अधिक 32 रन बनाये। बाकि बल्लेबाज सस्ते में ही सिमट गये।

वहीं आज सुबह आर अश्विन के शतक और रविंद्र जडेजा के साथ उनकी 199 रन की साझेदारी से भारतीय टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ शुरुआती टेस्ट के दूसरी दिन अपनी पहली पारी में 376 रन बनाये। पहले दिन के छह विकेट पर 339 रनों से आगे खेलते हुए भारतीय टीम दूसरे दिन अपने स्कोर में केवल 37 रन ही जोड़ पायी और उसने बचे हुए चार विकेट खो दिये। पहले दिन के 102 रनों से आगे खेलते हुए आर अश्विन 113 रन बनाकर आउअ हुए। वहीं रविन्द्र जडेजा पहले दिन के 86 रनों पर ही पेवेलियन लौट गये। वहीं यशस्वी जायसवाल ने 56 रन र बनाये। वहीं बांग्लादेश की ओर से हसन महमूद ने 83 रन देकर 5 विकेट जबकि तस्कीन अहमद ने 3 विकेट मिले। नाहिद राणा और मेहदी हसन मिराज को एक-एक विकेट मिला।

दूसरे दिन के पहले सत्र में बांग्लादेशी गेंदबाज हावी रहे और हसन महमूद ने जसप्रीत बुमराह को आउट कर भारतीय पारी को समेट दिया। भारत ने दूसरे दिन की शुरुआत छह विकेट के नुकसान पर 339 रनों से की थी। जडेजा अपने खाते आज एक भी रन नहीं बना पाये और 86 रनों पर ही पेवेलियन लौट गये। अश्विन भी 11 रन और बनाकर आउट हो गये। वह तस्कीन अहमद का शिकार बने। वहीं अपने पहले ही मैच में आकाशदीप ने 17 रन बनाये। तस्कीन ने दूसरे दिन तीन विकेट लिए जिसमें अश्विन के अलावा जडेजा और आकाश दीप का विकेट भी शामिल है। वहीं इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की शुरूआत भी अच्छी नहीं रही। बांग्लादेश ने लंच तक ही 26 रन पर 3 विकेट खो दिये। भारतीय टीम के ओर से एक विकेट बुमराह जबकि दो विकेट नये गेंदबाज आकाश दीप ने लिए।

भारतीय सेना के शीर्ष कमांडर ने क्यों कि पाकिस्तानी सैनिकों की तारीफ......गदगद हुआ पाकिस्तान

इस्लामाबाद (ईएमएस)। भारत और पाकिस्तान दोनों की ही सेनाएं संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की ओर से पीस कीपिंग मिशन में जाती हैं। इस बीच पाकिस्तानी सेना गदगद है, क्योंकि भारतीय सेना के शीर्ष कमांडर ने पाकिस्तानी सैनिकों की तारीफ की है। पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि दक्षिणी सूडान में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए भारत के टॉप कमांडर ने पाकिस्तानी शांति सैनिकों के प्रोफेशनलिज्म को माना है।

रिपोर्ट के मुताबिक आईएसपीआर ने कहा कि दक्षिण सूडान में फोर्स कमांडर यूनाइटेड मिशन भारत के लेफ्टिनेंट जनरल एस मोहन ने पाकिस्तान के चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस) जनरल असीम मुनीर को पत्र लिखा है। इस पत्र में पाकिस्तानी पीस कीपिंग फोर्स के सैनिकों की सराहना की गई है। भारतीय जनरल ऑफिसर ने अपने पत्र में पाकिस्तानी शांति सैनिकों के प्रोफेशनलिज्म, समर्पण और अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की। इसके अलावा आईएसपीआर ने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल मोहन ने सेक्टर कमांडर के रूप में ब्रिगेडियर शफकत इकबाल और कमांडिंग ऑफिसर के रूप में लेफ्टिनेंट कर्नल शाहबाज असलम की ओर से निभाई गई भूमिका को विशेष रूप से माना है।

आईएसपीआर ने कहा, पाकिस्तानी दल ने दिन-रात काम किया और बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित क्षेत्रों में ढाई लाख से ज्यादा लोगों की रक्षा की। आईएसपीआर ने कहा, पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में सक्रिय समर्थन के जरिए वैश्विव शांति और सुरक्षा के आदर्शों को साकार करने में मदद के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ एक जिम्मेदार सदस्य के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने को प्रतिबद्ध है। दुनिया के कई देशों की सेनाएं यूएन पीसकीपिंग फोर्स में होती हैं। इस दौरान वह अपने देश की बेरेट (टोपी) की जगह संयुक्त राष्ट्र के आसमानी नीले रंग की बेरेट पहनते हैं। दक्षिण सूडान का एक राष्ट्र के रूप में आधा जीवन राजनीति से प्रेरित जातीय हिंसा के प्रकोप से जूझता रहा है।

पुतिन यूक्रेन युद्ध, लंबी उम्र और भविष्य जानने तांत्रिकों से मिले

-एक रिपोर्ट में रूसी सरकार के आलोचक ने किया दावा

मॉस्को,(ईएमएस)। आज दुनिया चांद परपहुंच गई और रोज नई नई तकनीक इजात की जा रही हैं और अंधविश्वास दूर किए जारहे हैं लेकिन आज भी कुछ लोग हैं जो तांत्रिक विद्या पर यकीन रखते हैं। वहीं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सितंबरकी शुरुआत में मंगोलिया का दौरा किया है। पुतिन ने इस दौरे पर मंगोलिया और साइबेरिया के जादूगरों और तांत्रिकों से भी ुलाकातकी थी। एक रिपोर्ट में रूसी सरकार के एक आलोचक के हवाले से दावा किया ाया है। आलोचक ने कहा है कि यूक्रेन युद्ध का भविष्य जानने के लिए पुतिन इन लोगों से मिले थे। पुतिन ने यूक्रेन युद्ध पर मार्गदर्शन लेने के साथ ही अपनी लंबी उम्र के लिए कुछ अनुष्ठान किए और पुनर्जन्म पर भी एक लंबी चर्चा की।

पिछले साल मार्च में उनकी गिरफ्तारी का वारंट जारी करने के बाद से यह पुतिन की आईसीसी के किसी सदस्य देश की पहली यात्रा थी। रिपोर्ट कहती है कि पुतिन ने इन तांत्रिकों से मिलने के लिए ही मंगोलिया की यात्रा करने का जोखिम लिया। रूस के यूक्रेन पर आक्रमण की आलोचना के बाद देश छोड़ने को मजबूर हुए। रिपोर्ट में टीवी डोज्ड के संस्थापक मिखाइल जगर का दावा है कि पुतिन शक्तिशाली जादूगरों से सलाह लेने के लिए ही साइबेरिया जाते हुए तुवा में रुके थे। मिखाइल का कहना है कि साइबेरिया और मंगोलिया को दुनिया के सबसे शक्तिशाली जादूगरों और तांत्रिकों का घर माना जाता है। इनसे पुतिन की मुलाकात की व्यवस्था उनके एक प्रमुख सहयोगी मिखाइल कोवलचुक ने की थी।

उनका कहना है कि पुतिन की यात्रा के बाद ये भी चर्चा है कि रूसी राष्ट्रपति ने परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के लिए भी तांत्रिकों से सलाह की और उनका आशीर्वाद मांगा। मिखाइल ने लिखा पुतिन आत्माओं की नाराजगी के डर से परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से डरते हैं। रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि पुतिन मंगोलिया में तांत्रिक और जादूगरों से मुलाकात के बाद संतुष्ट थे।

रिपोर्ट में जगर ने कहा कि पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ रहस्यमय जादूगरों से सलाह मांगी और उन्हें इनसे सैन्य जीत का आश्वासन मिला। क्रेमलिन के पूर्व भाषण लेखक अब्बास गैल्यामोव ने कहा कि परमाणु हथियारों का उपयोग करने का आशीर्वाद प्राप्त करने के अलावा पुतिन को अपनी लंबी उम्र और पुनर्जन्म के सवालों में भी दिलचस्पी थी। किसी भी विपक्षी नेता ने पुतिन से मिलने वाले किसी तांत्रिक का नाम नहीं लिया। पुतिन के क्रेमलिन के कारा-उल डोपचुन-ऊल के साथ भी अच्छे संबंध रहे हैं। ऊल को रूस का प्रमुख जादूगर कहा जाता है।

इजरायल ने हमास को दिया शांति का प्रस्ताव, कहा- डील पर चर्चा से निकलेगा रास्ता

येरुशलम,(ईएमएस)। एक साल से इजरायल-हमास के बीच चल रही जंग ने हजारों लोगों की जान ले ली है और हजारों के घर तबाह हुए हैं। इसी बीच खबर आ रही है कि इजरायल जल्द ही एक बार फिर हमास के सामने शांति के लिए एक बड़ी डील पेश कर सकता है। इजरायली पीएम बेन्जामिन नेतन्याहू के एक सीनियर एडवाइजर ने जो बाइडेन प्रशासन के सामने हमास के साथ युद्धविराम का नया प्रस्ताव पेश किया है। हमास नेता यह्या सिनवार को इसके तहत गाजा से भागने का मौका दिया जाएगा। उधर, हिजबुल्लाह चीफ नसरुल्लाह को ठिकाने लगाने की प्लानिंग भी इजरायल ने कर ली है।

इस वक्त गाजा पट्टी में बड़ी संख्या में इजरायली सुरक्षाबल मौजूद हैं। रिपोर्ट में अभी यह स्पष्ट नहीं है कि समझौते के प्रावधानों के तहत क्या गाजा से इजरायली सेनाओं की वापसी भी हो जाएगी या नहीं। गाजा और वेस्ट बैंक को लेकर इजरायल का आगे का रोडमैप क्या होगा। कहा गया कि सिनवार गाजा छोड़ देगा, इस बात से अमेरिकी अधिकारियों इत्तेफाक नहीं रखते। अब देखना दिलचस्प होगा कि इस प्रस्ताव पर हमास के नेताओं में कोई आम सहमति बन पाती है या नहीं। रिपोर्ट में बताया गया कि नेतन्याहू के करीबी गैल हिर्श ने अपने प्रस्ताव में कहा है कि इजरायल द्वारा पकड़े गए फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा कर दिया जाएगा। बदले में हमास को सभी इजरायली बंधकों की रिहाई करनी होगी। कहा गया कि अब किश्तों में इजरायली बंधकों को नहीं छोड़ा जाएगा। हमास को एक बार में सभी को रिहा करना होगा। शांति समझौते के तहत इजरायल हमास के बड़े नेता याह्या सिनवार को गाजा से निर्वासित करने के लिए सुरक्षित रास्ता भी दे देगा। याह्या सिनवार चाहे तो किसी भी देश में शरण ले सकता है। हालांकि हमास की तरफ से अबतक इस प्रस्ताव पर कोई रिएक्शन नहीं आया है। बता दें कि जंग के बीच पिछले साल नवंबर में इजरायल और हमास में एक डील हुई थी। इसके तहत दोनों पक्षों ने एक दूसरे की कैद में मौजूद बंधकों को रिहा किया था। बीते साल 7 अक्टूबर को पहले इजरायली सीमा में घुसकर हमास के लड़ाकों ने एक हजार से ज्यादा इजरायली लोगों को बंधक बना लिया था। जिसके बाद से ही गाजा में इजरायली सुरक्षा बल अभियान चला रहे हैं। इजरायल की तरफ से किए गए जवाबी हमलों में अबतक 40 हजार से ज्यादा निर्दोष फिलिस्तीनी भी मारे जा चुके हैं।

फिलीपींस से मिसाइलों को नहीं हटाएगा अमेरिका

- चीन को चिढ़ाने के लिए अमे?रिका कर रहा तेजी से तैनाती वाला अभ्यास

मनीला (ईएमएस)। अमेरिका ने फिलीपींस में तैनात अपने मध्यम दूरी के मिसाइल सिस्टम को हटाने की चीन की मांग को ठुकरा दिया है। चीन ने हाल ही में अमेरिका से आग्रह किया था कि वह क्षेत्रीय तनाव के मद्देनजर फिलीपींस में तैनात मिसाइल सिस्टम को वापस ले। चीन का कहना है कि इस प्रणाली से क्षेत्रीय सुरक्षा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और भू-राजनीतिक टकराव को बढ़ावा मिल सकता है।

अमेरिका ने इस पर स्पष्ट किया कि फिलीपींस में तैनात टाइफून मिसाइल सिस्टम को तत्काल हटाने की कोई योजना नहीं है। इसके उलट, अमेरिकी सेना ने इस मिसाइल सिस्टम की युद्ध की स्थिति में तैनाती का परीक्षण करना शुरू कर दिया है। यह मिसाइल सिस्टम चीन के लक्ष्यों पर क्रूज मिसाइलों से हमला करने की क्षमता रखता है और फिलीपींस के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास के दौरान वहां लाया गया था। फिलीपींस एक रणनीतिक महत्व का देश है और दक्षिण पूर्व एशिया में अमेरिका की महत्वपूर्ण सैन्य स्थिति का हिस्सा है।

यह ताइवान के नजदीक स्थित है और अमेरिका का मानना है कि चीनी हमले की स्थिति में फिलीपींस एक महत्वपूर्ण सैन्य आधार बनेगा। चीन और फिलीपींस के बीच दक्षिण चीन सागर के द्वीपों को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। इस विवाद के चलते चीन ने फिलीपींस को मिसचीफ रीफ और स्कारबोरो शोल पर जाने से रोकने की कोशिश की है, जिससे दोनों देशों के तट रक्षक बलों के बीच छिटपुट संघर्ष भी हुए हैं। चीन और रूस ने अमेरिकी मिसाइल सिस्टम की तैनाती की आलोचना की है। दोनों देशों ने अमेरिका पर एशिया में हथियारों की होड़ को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है।

चीन के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा ?कि फिलीपींस में मिसाइल सिस्टम बनाए रखने की योजना से क्षेत्रीय सुरक्षा को गंभीर खतरा है और यह भू-राजनीतिक टकराव को बढ़ावा देगा। अमेरिका का यह कदम फिलीपींस और चीन के बीच मौजूदा तनाव को और बढ़ा सकता है, खासकर जब चीन दक्षिण चीन सागर में अपने दावे को मजबूत कर रहा है और सैन्यीकरण कर रहा है। अमेरिका और फिलीपींस की संयुक्त सैन्य गतिविधियाँ इस क्षेत्र में शक्ति संतुलन को प्रभावित कर सकती हैं और भविष्य में क्षेत्रीय राजनीति को आकार दे सकती हैं।

पेजर विस्फोट मामले में हो रहे नए खुलासे, हैरान करने वाली थी मोसाद की प्लानिंग

बेयरूत(ईएमएस)। लेबनान में पहले पेजर और वॉकी-टॉकी में धमाके हुए इसके बाद फ्रिज और टीवी के फटने की भी खबरें आईं। इन धमाकों के पीछे किसकी प्लानिंग थी,इसे लेकर पूरी दुनिया में खलबली मची हुई है। वजह ये है कि अब तक साफ नहीं हो सका है कि आखिर हिजबुल्ला को ऐसे पेजर कैसे मिले। वहीं, हमले को लेकर इजरायल पर आरोप लगाए जा रहे हैं। खबरें हैं कि इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद ने शेल कंपनी की सहायता से हिजबुल्ला को छेड़छाड़ किए गए पेजर भेजे हैं। बहरहाल, इजरायल ने फिर एक बार लेबनान में कई स्थानों पर हमला किया है। इधर, हिजबुल्ला ने भी जवाबी कार्रवाई की बात कही है।फिलहाल, धमाकों को लेक इजरायल की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि तीन इजरायली खुफिया अधिकारियों ने जानकारी दी है कि पेजर को बनाने वाले हंगरी की बीएसी कंसल्टिंग एक शेल कंपनी थी, जिसे मोसाद ने लेबनान भेजने से पहले डिवाइस में छेड़छाड़ के लिए तैयार किया था। रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि बीएसी कंसल्टिंग ताइवान की कंपनी गोल्ड अपोलो की तरफ से डिवाइस तैयार करने का कॉन्ट्रैक्ट मिला था। कहा जा रहा है कि पेजर बनाने वालों की असली पहचान को छिपाने के लिए कम से कम 2 अन्य शेल कंपनियां भी तैयार की गई थीं।खास बात है कि बीएसी आम क्लांट्स के लिए प्रोडक्ट तैयार नहीं करता है और हिजबुल्ला उनके लिए जरूरी था। खबर है कि बैटरी में ताकतवर पैंटेरिथ्रिटोल टेट्रानाइट्रेट मिलाया गया था। यह बहुत ही ताकतवर विस्फोटक है। इससे पहले कहा जा रहा था कि नए पेजर में 3 ग्राम विस्फोटक शामिल था, जिसका पता हिजबुल्ला को महीनों तक नहीं चला था। रिपोर्ट में कहा गया था कि इसमें इजरायल की यूनिट 8200 ने अहम भूमिका निभाई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि यूनिट ही इस जांच के लिए जिम्मेदार थी कि निर्माण प्रक्रिया के दौरान ही विस्फोटक सामग्री को डाला जाए। खास बात है कि यूनिट 8200 को साइबर जासूस भी कहा जाता है। यह खुफिया जानकारी जुटाने के लिए उपकरण तैयार करता है।

अफ्रीका में अकाल से हालात बिगड़े, नदी और तालाब सूखे, जमीन में पड़ गईं दरारें

लुसाका,(ईएमएस)। पिछले कुछ समय से अफ्रीका के अनेक देश सूखा और अकाल की स्थिति से जूझ रहे हैं। जिम्बॉब्वे में तो साल 1981 के बाद मौजूदा साल के फरवरी माह से ही सूखा की स्थिति बनी हुई है, जिसका असर बोत्सवाना और अंगोला के कुछ इलाकों में भी देखने को मिला है। जिम्बॉब्वे और जाम्बिया में साल के शुरु में बाढ़ आई थी, इसके बाद हैजा फैला और फिर सूखे की स्थिति बनी। अब हालात ऐसे हैं कि हाथियों को मार कर लोगों के भरण-पोषण का इंतजाम करने की बात की जा रही है।

अफ्रीका में सूखा और अकाल के संबंध में रिपोर्ट में बताया गया है कि जिम्बॉब्वे में तो 1981 के बाद इस कदर सूखा देखने को मिला है। मलावी और मोजाम्बीक के इतिहास में भी 03 सबसे सूखे महीनों में से यह एक है। जाम्बिया, मलावी, जिम्बॉब्वे, माली, बोत्सवाना, अंगोला, मोजाम्बीक जैसे अफ्रीकी देशों में पिछले 04 दशक का सबसे भयानक सूखा देखा जा रहा है। मौजूदा साल के फरवरी माह से सूखा पड़ना शुरु हुआ था जो अब तक जारी है। नदी और तालाब का जल सूख चुका है, अनाज और फसलों का बुरा हाल है। लोगों का जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। बताया जा रहा है कि इन क्षेत्रों में वर्षा ही नहीं हुई है। बारिश नहीं होने की वजह अल नीनो के प्रभाव को बताया जा रहा है। यही कारण है कि लंबे समय से सूखा की स्थिति बनी हुई है।

लंबे सूखे का कारण अलनीनो

इस संबंध में वैज्ञानिकों का कहना है कि इस प्रकार का सूखा 10 साल में एक बार आता है, लेकिन अल-नीनो के कारण इसके आने का समय और लंबे वक्त तक रहने की आशंका दोगुनी हो जाती है।

यूरोपियन देश भी कर चुके हैं सूखे का सामना

अल नीनो से होने वाले सूखे का सामना अफ्रीका से पहले यूरोपियन देशों ने किया था। जानकारी अनुसार ऐसे सूखे वाले मौसम का असर यूरोपियन देशों में भी पड़ा था। अल नीनो के कारण नीदरलैंड्स, स्वीडन और यूनाइटेड किंगडम इस साल भयानक सूखे का सामना कर चुके हैं। इसे देखते हुए ही वैज्ञानिकों ने स्टडी करना शुरू किया, ताकि इस बात का पता लगाया जा सके कि अल नीनो से किस महाद्वीप पर किस तरह का असर हुआ है या हो रहा है और आगे क्या हो सकता है।

पानी की कमी से बनी भयावह स्थिति

वैज्ञानिकों का कहना है कि अफ्रीकी देशों में अल नीनो के कारण बारिश नहीं हुई है। गर्मी ज्यादा पड़ रही है। सूखे की स्थिति लगातार बनी हुई है। फसलें हुईं ही नहीं। जो किसी तरह बच रहीं थीं वो भी खत्म हो चुकी हैं। नदियां सूख चुकी हैं, अन्य जल स्त्रोत भी प्रायः सूख चुके हैं। प्रभावित क्षेत्रों में पानी की कमी से भयावह स्थिति बनी हुई है। नदियां सूखीं, तालाब सूखे, पोखर सूखे फिर इंसान और जानवर कैसे न सूखते, वाली स्थिति निर्मित हो गई है। जमीनों में सूखे की स्थिति से दरारें पड़ गई हैं। इस प्रकार बेरहम मौसम के कारण अफ्रीका के कृषि क्षेत्र को भयानक हानि का सामना करना पड़ा है। बताया गया है कि अफ्रीकन हॉर्न और दक्षिणी अफ्रीकी देशों की हालत ज्यादा ही खराब चल रही है।

खाद्य सुरक्षा का खतरा

संपूर्ण महाद्वीप में खाद्य पदार्थों की सुरक्षा पर खतरा मंडराने लग गया है। अब सभी बारिश का इंतजार कर रहे हैं। जिम्बॉब्वे में फरवरी माह में अचानक पड़े सूखे के कारण पूरे देश में फसल खराब हो चुकी है। महाद्वीप में दलहन की कमी बनी हुई है। इससे खाद्यान्न के दाम दोगुने हो चुके हैं। एक अनुमान के अनुसार वैसे तो इस साल फरवरी से सितंबर माह के बीच अफ्रीकी देशों ने सामान्य से ज्यादा अनाज आयात किया, लेकिन तब भी सूखे से जन-जीवन प्रभावित हुए बिना नहीं रह सका है। यहां बताते चलें कि दक्षिण अफ्रीका पहले अन्य अफ्रीकी देशों में खाद्यान्न सप्लाई करता था, लेकिन इस साल वहां भी हालत खराब हो गए है। हालात इस कदर खराब हो चले हैं कि संयुक्त राष्ट्र का वर्ल्ड फूड प्रोग्राम भी अफ्रीकी देशों की रक्षा नहीं कर पा रहा है। जानकारी अनुसार जिम्बॉब्वे और जाम्बिया में इस साल के शुरू में पहले तो बाढ़ आई थी, फिर हैजा फैल गया था। इसके बाद अब पानी की कमी और सूखे की स्थिति ने जीवन को नरक बना दिया है। अब हालात बद से बदतर हो चले हैं, इस कारण जिम्बॉब्वे में लोगों को खिलाने के लिए 200 हाथियों को मारने की तैयारी की जा रही है। यह अब तक के सूखा पड़ने की भयावह स्थिति है, जिससे बाहर निकलने के लिए आसमानी बारिश पर लोग डिपेंड हो चुके हैं।

गुजरात ने विकसित भारत के लिए विकसित गुजरात का रोडमैप निर्धारित किया है : मुख्यमंत्री

अमरेली (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को अमरेली शहर एवं जिले को एक ही दिन में 292 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात दी। इस अवसर पर उन्होंने 77 विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने गुजरात के विकास के रोडमैप का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने एयरपोर्ट जैसी आधुनिक सुविधाओं वाले बस पोर्ट देकर नागरिकों की जीवन जीने की सुगमता (ईज ऑफ लिविंग) बढ़ाने की शुरुआत कराई है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए आज अमरेली में अत्याधुनिक बस पोर्ट का शुभारंभ हुआ है। उन्होंने कहा कि अमरेली में 42.48 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित बस पोर्ट से अमरेलीवासियों सहित जिले के नागरिकों को आवागमन की आधुनिक सुविधा उपलब्ध हुई है। इस अत्याधुनिक एस.टी. बस पोर्ट के निर्माण से यात्रियों को आरामदायक सुविधाओं के साथ ही सहूलियत भरी यात्रा का लाभ मिलेगा। इतना ही नहीं, यह बस पोर्ट अमरेली शहर की एक नई पहचान भी बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत का जो संकल्प किया है, उसमें विकसित गुजरात का रोडमैप निर्धारित कर हमें तेजी से आगे बढ़ना है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात ने विकास की एक नई राह बनाई है। गुजरात के सुदूरवर्ती और अंदरूनी क्षेत्रों में रहने वाले सामान्य नागरिकों को भी हवाई यात्रा करने वाले नागरिकों जैसी सुविधाएं मुहैया कराने के लिए विकास के विभिन्न आयाम शुरू किए हैं। भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि अमरेली जिले में विभिन्न विकास कार्य प्रगति पर हैं और भविष्य में और भी विकास कार्य क्रियान्वित होने जा रहे हैं। ऐसे में, यदि नागरिक भी इन कार्यों की गुणवत्ता का ध्यान रखें, तभी हम विकास के रोडमैप को हासिल कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' मंत्र पर आगे बढ़ते हुए 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में गुजरात को नेतृत्व करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में प्रधानमंत्री ने गुजरात को 8000 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात दी है। नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री हैं, तब तक विकास और विकास की गति रुकने या अटकने वाली नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज दूरस्थ क्षेत्रों के गांवों तक सड़क, पानी और बिजली पहुंचाने में मिली सफलता का भी उल्लेख किया। भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर पूरे राज्य में शुरू हुए स्वच्छता अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि स्वच्छता किसी एक दिन के लिए नहीं, बल्कि यह सदैव के लिए हमारे स्वभाव का एक हिस्सा बनना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यदि हम सामूहिक प्रयासों से स्वच्छता को हमेशा के लिए कायम रख पाएंगे, तभी हम अपने गांवों और शहरों के साथ-साथ अपने राज्य को भी स्वच्छ और सुंदर बना पाएंगे।

विधानसभा उप मुख्य सचेतक कौशिक वेकरिया ने जिले में हुए और भविष्य में होने वाले विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि अमरेली के लिए जब कभी कोई भी मांग की गई है, तब राज्य सरकार द्वारा खुले मन से जिले के विकास कार्यों को मंजूरी दी गई है। सांसद भरत सुतरिया ने कहा कि यह मुख्यमंत्री की सहृदयता और सरलता है कि जब कभी हम जनता के किसी भी कार्य को लेकर उनके पास जाते हैं, तब वे हमें धैर्य के साथ सुनते हैं और प्रत्येक समस्या का समाधान करते हैं। उन्होंने किसी भी प्रकार के राग-द्वेष से सर्वथा मुक्त मुख्यमंत्री की कार्यशैली की हृदय से सराहना की। विधायक महेश कसवाला ने इस बात पर खुशी व्यक्त की कि मुख्यमंत्री आज अमरेली जिले की यात्रा पर हैं

भारी बारिश-बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए 10 हजार करोड़ का राहत पैकेज जारी करने की मांग

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात किसान कांग्रेस के चेयरमैन पाल अंबालिया ने मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री को ईमेल लिखा हैं जिसमें राज्य में भारी बारिश के कारण पशुधन की हानि के लिए पशुपालकों को तत्काल मुआवजा देने और नदी तटीय क्षेत्रों में भूमि कटाव के लिए तत्काल पर्याप्त मुआवजा देने की मांग की गई हैं इसके अलावा राज्य के 8 जिलों और 68 तालुकाओं में हरित सूखा घोषित करने की मांग की गई हैं

कच्छ, मोरबी, जामनगर, द्वारका, पोरबंदर, जूनागढ़ जिलों में हरित सूखा घोषित करने की मांग की गई हैं पत्र में किसानों के लिए 10,000 करोड़ रुपये के फसल नुकसान राहत पैकेज की भी मांग की गई है और चालू वर्ष के लिए सभी किसानों के फसल ऋण माफ करने का भी पत्र में उल्लेख किया गया है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने मांग नहीं मानी तो आने वाले दिनों में किसान महापंचायत बुलाएंर्गे पाल अम्बालिया ने पत्र में लिखा कि राज्य सरकार ने किसानों को प्राकृतिक आपदा से बचाने की योजना प्रधानमंत्री पाक बीमा बंद कर दीं जिसके बाद गुजरात के किसान केवल सरकार की दया पर निर्भर हो गएँ प्रधानमंत्री किसान सहाय योजना 2 वर्षों तक केवल कागजों पर आधारित रही और इस योजना के तहत गुजरात के किसी भी किसान को एक रुपये की सहायता नहीं दी गई और राज्य सरकार ने गुजरात के किसानों को राम भरोसे छोड़ दिया। आंबलिया ने एसडीआरएफ के अलावा राज्य सरकार के कोष से कम से कम 10 हजार करोड़ का आर्थिक पैकेज घोषित करने की मांग की हैं साथ ही 10 अगस्त 2020 को जब प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना बंद की गई थी तब गुजरात के 10-12 लाख किसानों ने वर्ष 2020-21 के लिए फसल बीमा में 450 करोड़ से अधिक की प्रीमियम राशि का भुगतान किया थाँ प्रीमियम बंद करने के बाद यह योजना बंद की गई थीं किसानों द्वारा भुगतान किया गया प्रीमियम भी अभी तक वापस नहीं किया गया हैं पाल आंबलिया ने सरकार से ब्याज समेत प्रीमियम की रकम किसानों को लौटाने की भी मांग की हैं

'राज्य की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं से जुए जैसी सीबीआरटी प्रणाली समाप्त करें' जीपीएससी पैटर्न पर सीसीई परिणाम घोषित करने की मांग

गांधीनगर,20 सितंबर

राज्य में गुजरात माध्यमिक सेवा चयन बोर्ड द्वारा आयोजित सीसीई जूनियर क्लर्क परीक्षा के परिणाम घोषित होने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। गांधीनगर में सीबीआरटी प्रणाली को खत्म करने और जीपीएससी पैटर्न पर सीसीई परीक्षा के अंक घोषित करने सहित अन्य मांगों को लेकर अभ्यर्थियों ने हसमुख पटेल के समक्ष प्रदर्शन किया। साथ ही अभ्यर्थियों ने भर्ती बोर्ड के कमल दयानी तक अपनी बात पहुंचाने का अभ्यास किया है.

अभ्यर्थियों का कहना है कि जूनियर क्लर्क परीक्षा की प्रकाशित मेरिट सूची में काफी विसंगति है. जूनियर क्लर्क की अधिसूचना के अनुसार, जारी की गई मेरिट कुल 5,500 पदों की भर्ती के लिए ग्रुप ए और ग्रुप बी परीक्षाओं में श्रेणी के सात गुना के बजाय सात गुना बढ़ गई है।

अभ्यर्थियों ने सीबीआरटी पद्धति की परीक्षा समाप्त कर सीसीई परीक्षा के अंक जीपीएससी पैटर्न में घोषित करने की मांग की है। ताकि अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा में शामिल होने से वंचित न रह जाये. छात्र नेता युवराज सिंह ने भी विचार व्यक्त किया कि सीबीआरटी पद्धति में नॉर्मलाइजेशन पद्धतिसेअभ्यर्थियोंके अंकों में उतार-चढ़ाव होता है, जुए जैसी इस व्यवस्था को समाप्त किया जाना चाहिए.

कक्षा 3 के विभिन्न 21 संवर्गों में 5,554 पदों के लिए राज्य के 3.40 लाख विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। जिन अभ्यर्थियों को परीक्षा में हजार अंक नहीं मिले हैं, उनके ऑनलाइन खाते में शुल्क वापस कर दिया जाएगा। मेरिट प्राप्त अभ्यर्थियों की मुख्य परीक्षा आयोजित की जायेगी।

सीनियर क्लर्क, जूनियर क्लर्क, ऑफिस असिस्टेंट और कलेक्टर ऑफिस क्लर्क का वेतन 26,000 रुपये प्रति माह है। तो कार्यालय अधीक्षक, कार्यालय अधीक्षक, उप-रजिस्ट्रार ग्रेड -1, सहायक समाज कल्याण अधिकारी, सहायक आदिवासी विकास अधिकारी के पद पर चयनित उम्मीदवार को 49,600 रुपये मासिक वेतन मिलेगा। नियुक्त उम्मीदवार को पहले पांच वर्षों के लिए एक निश्चित वेतन मिलेगा।

राज्य में एक आईएएस का तबादला और एक आईएएस को अतिरिक्त प्रभार

गांधीनगर (ईएमएस) राज्य के एक और आईएएस अधिकारी का तबादला आदेश दिया गया है और 1 अधिकारी को वेतन वृद्धि का प्रभार दिया गया है। आईएएस एमए पंडया को हटा दिया गया है, जबकि आईएएस जेनु देवन को अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। जानकारी के मुताबिक निपटान आयुक्त और भूमि अभिलेख निदेशक एमए पंडया का गुजरात माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, गांधीनगर में स्थानांतरण का आदेश दिया गया हैं जो अब शिक्षा विभाग के अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे। जबकि जेनु देवन अधीक्षक स्टांप और पंजीकरण महानिरीक्षक, गांधीनगर को अगले आदेश तक निपटान आयुक्त और भूमि अभिलेख, गांधीनगर के पद का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे।

दिवाली से पहले एऊ कर्मचारियों को बड़ा तोहफा, महंगाई भत्ता 4% बढ़ा,एरियरका भी होगा भुगतान

गांधीनगर,,20 सितंबर

एऊ कर्मचारी गुजरात मेंः एसटी कर्मचारियों के लिए खुशखबरी सामने आई है। एसटी कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 4 फीसदी बढ़ाया गया है. राज्य के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने घोषणा की है कि महंगाई भत्ते सहित बकाया राशि का भुगतान 46 फीसदी के हिसाब से करने का फैसला किया गया है. अवैतनिक भत्ते की बकाया राशि का भुगतान करने का भी निर्णय लिया गया है.

राज्य के परिवहन और गृह मंत्री हर्ष सांघवीने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा कि, 'राज्य सरकार ने एसटी. निगम के कर्मचारियों को वर्तमान में मिलने वाले महंगाई भत्ते में 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। अब से महंगाई भत्ता समेत मौजूदा भत्तों का बकाया भी 46 फीसदी की दर से दिया जाएगा. इस फैसले से निगम के कर्मचारियों को कुल 125 करोड़ रुपये से ज्यादा का फायदा होगा.

तरनेतर मेले में अश्लील डांस का विवाद -सरकार ने दिए जांच के आदेश

तरनेतर,20 सितंबर

तरनेतर मेले में महिलाओं द्वारा भोजपुरी अश्लील गाने पर थिरकाने का वीडियो वायरल होने के बाद से हंगामा मचा हुआ है. लोग पूछ रहे हैं कि जहां गुजराती भाटीगाल संस्कृति को प्रस्तुत किया जा रहा है, वहां ऐसे गंदे डांस क्यों हो रहे हैं? इस नृत्य को किसने मंजूरी दी? डांस का वीडियो वायरल होने और विवाद के बाद पर्यटन मंत्री मुलोभाई बेरा ने जांच के आदेश दिए हैं.

मुलुभाई बेरा ने तैराक के अश्लील डांस पर जवाब देते हुए कहा कि कलेक्टर से रिपोर्ट मांगी गई है. हालाँकि मेले का आयोजन ग्राम पंचायत द्वारा किया जाता है। हालांकि, यह आश्वासन दिया गया है कि किसी भी आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

तरनेतर मेले से सामने आए अश्लील डांस वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए अपर कलेक्टर आर. एम। ओझा ने कहा कि तैराकी मेले का आयोजन ग्राम पंचायत द्वारा किया जाता है. यहां सभी भूखंडों का आवंटन नीलामी के माध्यम से किया जाता है। फिर हम जांच कर रहे हैं कि किस एजेंसी को वह प्लॉट आवंटित किया गया था जहां नीलामी के दौरान ऐसा अश्लील नृत्य हुआ था। जांच में जो भी प्लॉट होल्डिंग एजेंसी दोषी पाई जाएगी हम उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे।

इस वीडियो के संबंध में कलेक्टर ने कहा कि हमें विभिन्न मंचों से जानकारी मिली है कि 6 सितंबर से 9 सितंबर तक आयोजित तैराक मेले में अश्लील डांस हुआ था. हम इस वीडियो की पुष्टि कर रहे हैं. चोटिला प्रांतीय अधिकारी को मामले की जांच सौंपी गई है। वीडियो की पुष्टि के बाद जिसने भी यह हरकत की है उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

बापूनगर में एक ट्रांसपोर्ट गोदाम से भारी मात्रा में संदिग्ध रसायन जब्त किया गया

अहमदाबाद,20 सितंबर

स्टेट मॉनिटरिंग सेल के अधिकारी ने गुरुवार शाम को बापूनगर गुजरात बॉटलिंग चार रोड के पास एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के गोदाम से संदिग्ध रसायनों से भरे करीब 10 बैरल जब्त कर जांच शुरू कर दी है. प्रारंभिक जांच में यह मात्रा भिवंडी से वटवानी कंपनी को भेजी गई थी। चूंकि इस संदिग्ध रसायन की मात्रा मेथनॉल या इथेनॉल अल्कोहल होने की संभावना है, इसलिए एफएसएल की रिपोर्ट प्राप्त करने का प्रयास किया गया है। फोरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर पुलिस कार्रवाई करेगी। राज्य निगरानी सेल के अधिकारियों को सूचना मिली कि बापूनगर नगरवेल रोड पर गुजरात बॉटलिंग चार रोड के पास लघु उद्योग के एक परिवहन गोदाम में संदिग्ध मात्रा में रसायन लाया गया है। जिसके आधार पर पुलिस ने जांच की तो 10 बैरल केमिकल मिला। जिसे भिवंडी से वटवा स्थित जीआईडीसी की एक फैक्ट्री में भेजा जाना था। इस संबंध में पुलिस ने वटवा स्थित कंपनी के मैनेजर से शुरुआती पूछताछ के बाद माना है कि इस केमिकल की मात्रा मेथनॉल है. हालांकि पता चला है कि उनके पास केमिकल रखने का कोई लाइसेंस नहीं है. एसएमसी के डीएसपी केटी कामरिया ने कहा कि इस रसायन का उपयोग उद्योगों में किया जाता है। लेकिन, पता चला कि मात्रा का ऑर्डर देने वाले व्यक्ति के पास लाइसेंस है। साथ ही मात्रा मेथनॉल या इथेनॉल अल्कोहल होने की भी संभावना है। इसलिए जांच के लिए एफएसएल की मदद ली गई है. यदि यह रसायन इथेनॉल या मेथनॉल अल्कोहल है तो अपराध दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही केमिकल भेजने वाली भिवंडी कंपनी की भी जांच की जाएगी। गौरतलब है कि इथेनॉल और मेथनॉल रसायनों का इस्तेमाल इससे पहले गुजरात में लट्ठा दंगों और 2022 में धंधुका और बोटाद में रासायनिक दंगों में किया गया था। जिसमें अहमदाबाद के नारोल स्थित अमोस कंपनी से केमिकल की मात्रा लेकर केमिकल अटैक में इस्तेमाल कर कई लोगों की हत्या कर दी गई थी. हालांकि अमोस कंपनी के पास इस रसायन का लाइसेंस था,

रियलिटी चेकः एक बटन दबाते ही पुलिस कंट्रोल रूम से करें संपर्क, जगह-जगह लगाए गए इमरजेंसी कॉल बॉक्स

अहमदाबाद,20 सितंबर

अहमदाबाद में 'निर्भया सेफ सिटी' परियोजनाः केंद्रीय गृह मंत्रालय और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा देश के आठ शहरों में निर्भया सेफ सिटी परियोजना शुरू की गई है। अहमदाबाद में निर्भया अहमदाबाद सिटी प्रोजेक्ट भी शुरू हो गया है. 'निर्भया सेफ सिटी' प्रोजेक्ट के तहत अब तक अहमदाबाद शहर के करीब 180 इलाकों में इमरजेंसी कॉल बॉक्स लगाए जा चुके हैं. पहले चरण में शहर में कुल 300 कॉल बॉक्स लगाए जाएंगे। लेकिन शहर में लगाए गए आपातकालीन कॉल बॉक्स काम कर रहे हैं या नहीं, इसका पता लगाने के लिए गुजरात समाचार डिजिटल की टीम द्वारा रियलिटी चेक किया गया। इसी बीच इमरजेंसी बॉक्स का हेल्प बटन दब गया तो तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम से संपर्क किया गया। कंट्रोल रूम से नाम, नंबर और घटना पूछी गई। जिससे यह पुष्टि हो गई कि यह इमरजेंसी बॉक्स क्रियाशील है।

कॉल बॉक्स की खास बात यह है कि अगर किसी व्यक्ति को तत्काल पुलिस सहायता की जरूरत है तो बॉक्स का बटन दबाने से पुलिस कंट्रोल रूम और पास की पीसीआर वैन को संदेश चला जाता है और पुलिस कर्मचारी कुछ ही मिनटों में मौके पर पहुंच सकते हैं। इस कॉल बॉक्स में वीडियो कॉलिंग की सुविधा भी है। जिससे कॉल करने वाले की जानकारी भी मिल जाती है। यह प्रणाली विशेष रूप से तब उपयोगी होती है जब सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के साथ छेड़छाड़ होती है या जब कोई परेशानी में होता है। पुलिस के मुताबिक, यह प्रोजेक्ट महिला सुरक्षा के लिए है लेकिन यह प्रोजेक्ट वरिष्ठ नागरिकों समेत सभी लोगों के लिए उपयोगी है.

वर्तमान में, यह परियोजना अहमदाबाद, दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद और लखनऊ में चालू है।

वर्तमान में, अहमदाबाद शहर में सिविल अस्पताल, शाहीबाग पुलिस चौकी, राजस्थान अस्पताल, डफनाला, सर्किट हाउस, एस्टोडिया दरवाजा, सरदार भवन, रायपुर दरवाजा, सारंगपुर, अपना बाजार, भादरा, सरदारबाग, अंकुर, दिल्ली दरवाजा, पुलिस आयुक्त कार्यालय, एलजी अस्पताल, खोखरा, सीटीएम क्रॉस रोड, सोनी चाल, विराट नगर, ठक्करबापा अप्रोच, उत्तम नगर, खोडियार नगर (निकोल), इंदिरा विहार सोसायटी, लीला नगर, अर्बुदा नगर, राज रत्न सोसायटी, रबारी कॉलोनी क्रॉस रोड, अजीत मिल, नारान घाट, गोमतीपुर दरवाजा, आनंदनगर, प्रह्लाद नगर क्रॉस रोड, इस्कॉन मंदिर, श्यामल क्रॉस रोड, नटराज सिनेमा, सोला हाउसिंग, ओएनजीसी कार्यालय, चांदखेड़ा गांव, नवरंगपुरा, विसात सर्कल, गायत्री विद्यालय, वासना, भीमजीपुरा, सुभाष ब्रिज, पालडी, वासना, लॉ कॉलेज, गांधीग्राम रेलवे स्टेशन, गुजरात कॉलेज, सी. एन। विद्यालय, वी. एस। हॉस्पिटल, पंचवटी, सेंट जेवियर्स कॉलेज, पंजरापोल, कॉमर्स कॉलेज, प्रगतिनगर समेत 180 जगहों पर कॉल बॉक्स लगाए गए हैं। फिलहाल कॉल बॉक्स लगाने का काम चल रहा है.

निर्भया सेफ सिटी परियोजना के तहत एक एकीकृत और बुद्धिमान पुलिस मंच तैयार किया गया है। जिसमें 100 नागरिक पोर्टल डेटा और सोशल मीडिया डेटा एकीकृत किया जाएगा। इसके अलावा, सुरक्षा निगरानी के लिए स्थानीय पुलिस ने शहर में लगभग 500 अलग-अलग हॉटस्पॉट की पहचान की है, जहां महिलाओं से संबंधित घटनाएं अधिक हो सकती हैं। जिनमें से 250 स्थान रिवरफ्रंट पर और लगभग 150 स्थान शहर के बस स्टैंड पर तय किए गए हैं। इसके अलावा शहर में अलग-अलग जगहों पर कुल 650 से ज्यादा कैमरे भी लगाए जाएंगे.

प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए स्पेशल पुलिस कमिश्नर अजय कुमार चौधरी ने कहा, ''महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा केलिए हमने 180 से ज्यादा इलाकों में इमरजेंसी कॉल बॉक्स लगाए हैं. इसलिए अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह इसे दबा सकता है और पुलिस नियंत्रण कक्ष की वीडियो टेपिंग की जाएगी। कॉल आएगी और पुलिस मदद के लिए तुरंत आएगी।

गुजरात में फिर भारी बारिश का अनुमान : इन दो जिलों में येलो अलर्ट जारी

गांधीनगर,,20 सितंबर

आईएमडी बारिश का पूर्वानुमानः मानसून सीजन के अंत में जहां बारिश शांत है, वहीं मौसम विभाग ने अगले सात दिनों तक राज्य में हल्की से मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की है। 25-26 सितंबर को दक्षिण गुजरात के नवसारी और वलसाड के छिटपुट स्थानों पर भारी बारिश के बाद येलो अलर्ट जारी किया गया है.

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, राज्य में 26 सितंबर तक सौराष्ट्र, मध्य गुजरात सहित दक्षिण गुजरात के अधिकांश हिस्सों और उत्तर गुजरात के कुछ हिस्सों में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की गई है.

गुजरात में फिर से भारी बारिश का अनुमान है, 25-26 सितंबर को दक्षिण गुजरात के नवसारी और वलसाड के छिटपुट स्थानों पर भारी बारिश के बाद येलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके साथ ही भरूच, नर्मदा, सूरत, तापी, डांग जिलों में विभिन्न स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होगी.

जबकि सौराष्ट्र के राजकोट, अमरेली, भावनगर, जूनागढ़, गिर सोमनाथ, बोटाद, मध्य गुजरात के वडोदरा, छोटा उदेपुर, पंचमहल, दाहोद, महिसागर, उत्तरी गुजरात के साबरकांठा, अरावली जिले में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। वहीं कच्छ, मोरबी, सुरेंद्रनगर, जामनगर, देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, अहमदाबाद, गांधीनगर, मेहसाणा, पाटन जिलों में बारिश का अनुमान नहीं है।

राज्य में जुलाई और अगस्त महीने में अच्छी बारिश हुई है और अब तक 43 फीसदी से ज्यादा बारिश दर्ज की गई है. जबकि सौराष्ट्र और कच्छ में 73 फीसदी बारिश दर्ज की गई. वहीं, सीजन के अंत में सितंबर में हल्की से भारी बारिश का अनुमान है।

मौसम विशेषज्ञ अंबालाल पटेल ने आने वाले दिनों में होने वाली बारिश के बारे में बताया कि 22 सितंबर को बारिश का सिस्टम सक्रिय होने से 26 सितंबर तक प्रदेश में बारिश की स्थिति रहेगी. हालाँकि, इसके बाद एक मॉनसून सिस्टम विकसित होने से सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में भारी बारिश और उत्तरी गुजरात-मध्य गुजरात में हल्की बारिश हो सकती है।

अहमदाबाद मण्डल पर स्वच्छता के प्रति जागरुकता के लिए विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर मनाये जा रहे स्वच्छता ही सेवा 2024 कार्यक्रम के तहत अहमदाबाद मण्डल पर मण्डल रेल प्रबंधक श्री सुधीर कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई। 20 सितंबर 2024 को मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय अहमदाबाद में मंडल खेलकुद संघ द्वारा टेबल-टेनिस, चैस एवं कैरम प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

19 सितम्बर 2024 को अहमदाबाद डिवीजन स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा रेलवे परिसरों की साफ-सफाई के साथ ही लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरुकता लाने के लिए वॉकाथन का आयोजन किया। यह वॉकाथन रिवरफ्रंट पर उस्मानपुरा से शुरू हुआ और एलिसब्रिज पर समाप्त हुआ। जिसमें अहमदाबाद डिवीजन के अधिकारी, कर्मचारी और उनके परिवारजन, सिविल डिफेंस और स्काउट गाइड के लोग शामिल थे। सभी ने स्वच्छता और सामुदायिक भावना को बढ़ावा देने के लिए उत्साहपूर्वक भाग लिया और शारीरिक फिटनेस दोनों के महत्व पर प्रकाश डाला।

18 सितम्बर 2024 को अहमदाबाद मंडल के विभिन्न लोकेशनों पर सफाई मित्र सुरक्षा शिविर हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया तथा सफाई कर्मियों के स्वास्थ्य की जांच की गई। इस अभियान के तहत अहमदाबाद मण्डल के अहमदाबाद हेल्थ यूनिट, रेलवे हॉस्पिटाल गांधीधाम, मणिनगर हेल्थ यूनिट, रेलवे अस्पताल साबरमती तथा अहमदाबाद, गांधीधाम और भुज स्टेशनों पर सफाई मित्र सुरक्षा शिविर एवं हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। इस दौरान सफाई मित्रों की स्वास्थ्य जांच कर सुरक्षा किट का वितरण किया गया। शिविर के दौरान सफाई मित्रों को कार्य के दौरान स्वयं की सुरक्षा संबंधी उपयों, सुगम स्वास्थ्य सुविधाएँ एवं सामाजिक कल्याण की योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई। इस अभियान के तहत 230 से अधिक सफाई मित्रों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया एवं सुरक्षा किट का वितरण किया गया। इसके अतिरिक्त मंडल के विभिन्न लोकेशनों पर चिन्हित किये गये ब्लैक स्पॉट की सफाई करवाई गई।

सोनी इंडिया ने लॉन्च किए डब्ल्यूएफ-सी510 ट्रूली वायरलेस ईयरबड्स, लॉन्च कीमत 3,990 रुपये

नई दिल्ली, 20 सितंबर 2024: सोनी इंडिया ने आज कॉम्पैक्ट डिजाइनमें सोनी कामशहूर क्वालिटी साउंड प्रदान करने वाले डब्ल्यूएफ-सी510 ट्रूली वायरलेस ईयरबड्स लॉन्चकरनेकी घोषणा की है। ईयरबड्स में दमदार बैटरी लाइफ और आरामदायक डिजाइनके साथ-साथ किफायती कीमत पर बेहतर फीचर हैं औरये पूरे दिन सुनने के लिए उपयुक्त हैं। नीले, पीले, काले या सफेद रंग के विकल्प के साथ, आप अपने लिए सबसे उपयुक्त रंग चुन सकते हैं।

पिछलेउत्पादों की तुलना में छोटे और अधिक कॉम्पैक्ट डिजाइनवाले, डब्ल्यूएफ-सी510बेहदआरामदेह हैं। डब्ल्यूएफ-सी510सोनी के अब तक के सबसे छोटे क्लोज्ड टाइप ईयरबड्स हैं, इसलिए छोटे कान वाले लोग भी ज्यादास्टेबलफिट पा सकते हैं। डब्ल्यूएफ-सी510 ईयरबड्स काआकारमानव केकान से पूरी तरह मेल खाता है और इसमेंअपेक्षाकृतअधिक स्टेबलफिटके लिए एर्गोनोमिक सरफेस डिजाइनहै। ईयरबड्स में अतिरिक्त आराम के लिए गोल डिज़ाइन और मैट फिनिश भी है। साथ ही, सहजतासेचलानेके लिए एक सपाट और चौड़ी सतह वाला बटन जोड़ा गया है, जिसका मतलब है कि आप बिना किसी रुकावट के अपना संगीत सुन सकते हैं।

छोटे ईयरबड्स के साथ एक छोटा चार्जिंग केस आता है। छोटा बेलनाकार चार्जिंग केस पिछले मॉडल की तुलना में पतला है, जिससे इसे जेब या बैग में रखना सुविधाजनक है और आप ईयरबड्स को अपनेसाथरखसकते हैं। 11 घंटे तक की चलने वाली बैटरी लाइफतथा केस में और11 घंटे के फीचरसाथ, आप घंटों तक बिना किसी रुकावट के प्ले टाइम का आनंद ले सकते हैं और 5 मिनट की क्विक चार्जिंग सेआपको 60 मिनट तक सुनने कीसुविधामिलती है, जिससे आप पूरे दिन अपने संगीत का आनंद ले सकते हैं।

डब्ल्यूएफ-सी510सोनीके मल्टी पॉइंट कनेक्शन के साथ कम्पेटिबल है जो आपको एक साथ दो ब्लूटूथएँ डिवाइस से कनेक्ट करने मेंमददकरता है। आईपा एक्स4 वाटर रेजिस्टेंस रेटिंग के साथ, ईयरबड्स पानीकेछींटे और पसीने को झेल सकतेहैं,जिससेविभिन्नस्थितियोंमें आराम सेचलसकतेहैं। 'क्विक एक्सेस' के साथ आप स्पॉटीफायटैपको आसानी से चला सकते हैं, जिससे आप बस इसपरटैप कर अपने गाने चला सकते हैं। डब्ल्यूएफ-सी510 को फास्ट पेयर और स्विफ्ट पेयर के साथ आसानी से आपके डिवाइस के साथ जोड़ा जा सकता है। इसके अतिरिक्त, आप चार्जिंग केस से इसे हटाने के बाद बाएं या दाएं ईयरबड का स्वतंत्र रूप से उपयोग कर सकते हैं, जिससे मल्टीटास्किंग मेंमददमिलती है।

गांधीधाम-इंदौर एक्सप्रेस और गांधीधाम – भागलपुर स्पेशल आंशिक परिवर्तित मार्ग से चलेगी

पश्चिम रेलवे के वड़ोदरा मंडल के आणंद-गोधरा सेक्शन के ओड- ठासरा स्टेशनो के बीच दोहरीकरण कार्य के संबंध में नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य हेतु ब्लॉक लिए जाने के कारण गांधीधाम - इंदौर एक्सप्रेस और गांधीधाम – भागलपुर स्पेशल परिवर्तित मार्ग से चलेगी। जो इस प्रकार हैः-

दिनांक 23.09.20 24 की ट्रेन नं 20935 गांधीधाम - इंदौर एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग आणंद-डाकोर-गोधरा-रतलाम के स्थान पर परिवर्तित मार्ग के रास्ते चलेगी।

दिनांक 20.09.20 24 की ट्रेन नं 09451 गांधीधाम – भागलपुर स्पेशल एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग आणंद-डाकोर-गोधरा-नागदा के स्थान पर परिवर्तित मार्ग के रास्ते चलेगी।

ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री .हल्दिबिग्र्हींहिंगतुदन्ग्ह पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

बल्क कॉर्प इंटरनेशनल लिमिटेड को रु ।10.77 करोड़ का निर्यात ऑर्डर मिला

ब्राजील स्थित मेसर्स पेसम एसए का ऑर्डर बल्क कॉर्प के लिए एक रणनीतिक मील का पत्थर है। इसके साथ ही कंपनी अपने अंतरराष्ट्रीय कारोबार परिचालन का विस्तार कर रही है।

बल्क कॉर्प इंटरनेशनल ने मेसर्स पैकेम एसए से एक महत्वपूर्ण निर्यात ऑर्डर हासिल करके फ्लेक्सिबल इंटरमीडिएट बल्क कंटेनर (एफआईबीसी) के अग्रणी निर्माता के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की है। यह साझेदारी अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों की बढ़ती मांगों को पूरा करने वाले उच्च गुणवत्ता वाले, टिकाऊ समाधान प्रदान करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

यह रु. 10.77 करोड़ का सौदा न केवल बल्क कॉर्प के निर्यात राजस्व को बढ़ाता है बल्कि पैकेजिंग उद्योग में अग्रणी वैश्विक खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने की उसकी क्षमता को भी प्रदर्शित करता है। नवाचार, स्थिरता और नियामक अनुपालन पर ध्यान देने के साथ, कंपनी विभिन्न उद्योगों में इर्ध्ण की बढ़ती मांग का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है। उत्कृष्टता के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता और इसकी रणनीतिक पहल इसे वैश्विक पैकेजिंग उद्योग में एक निर्णायक कंपनी बनाती है।

जैसा कि बल्क कॉर्प ने अपनी वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करना जारी रखा है, इसके हालिया आईपीओ ने आगे के विकास को बढ़ावा देने और अपनी बाजार स्थिति को मजबूत करने के लिए आवश्यक पूंजी प्रदान की है। कंपनी प्रत्येक रु. 10 रुपये के अंकित मूल्य के 19.79 लाख इक्विटी शेयर जारी करके अपने आईपीओ में। 20.78 करोड़ का कलेक्शन हुआ. सार्वजनिक निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग कंपनी की विस्तार योजनाओं के वित्तपोषण के लिए किया जाएगा। जिसमें कैप्टिव सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने, कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने, सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों और मुद्दे से संबंधित खर्चों के लिए पूंजीगत व्यय किया जाएगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर के वी आई सी ने लाखों खादी कारीगरों को दिया तोहफा

केवीआईसी की 'सिलाई समृद्धि योजना' का शुभारंभ, रजिस्ट्रेशन शुरू।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग, सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के अध्यक्ष श्री मनोज कुमारने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन और मोदी सरकार 3.0 के 100 दिन पूरे होने के अवसर पर पूज्य बापू की जन्मस्थली पोरबंदरके अस्मावती रिवरफ्रंट पर आयोजित एक कार्यक्रम में लाखों खादी कारीगरों को बड़ा तोहफा दिया। चरखे पर सूत कातने वाली कत्तिनों की पारिश्रमिक में 25 प्रतिशत और बुनकरों की पारिश्रमिक में 7 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा की गयी है। बढ़ी हुई पारिश्रमिक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्मदिन 2 अक्टूबर 2024 से लागू होगी। इस अवसर पर अस्मावती रिवरफ्रंट पर लगाए गये 26 फीट लंबे और 13 फीट चौड़े स्टेनलेस स्टील के 'स्मारक चरखे'का भी अनावरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष केवीआईसी ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के अंतर्गत 3911 लाभार्थियों के खाते में 101 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी का वितरण और 1100 नयी पीएमईजीपी ईकाइयों का भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के

माध्यम से शुभारंभ किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री मनोज कुमार ने बताया कि उनके कार्यकाल में दूसरी बार कत्तिनों और बुनकर की पारिश्रमिक बढ़ाई गयी है। 2 अक्टूबर 2024 से सूत कातनेवाली कत्तिनों को प्रति लच्छा 10 रुपये की जगह 12.50 रुपये का मेहनताना मिलेगा। इससे पहले 1 अप्रैल 2023 को7.50 रुपये से बढ़ाकर इसे 10 रुपये प्रति लच्छा किया गया था। उन्होंने आगे कहा की प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'खादी क्रांति' ने कत्तिनों और बुनकरों के जीवन में बड़ा बदलाव किया है।खादी का कारोबार पिछले वित्त वर्ष में 1 लाख 55 हजार करोड़रुपये के पार पहुंच गया है। प्रधानमंत्री के दृष्टकोण के अनुरूपइसका लाभ खादी परिवार के कारीगरों तक पहुंचाने के लिए आयोग ने पारिश्रमिक बढ़ाने का निर्णय लिया है।उन्होंने बताया कि देशभर में करीब 3000 पंजीकृत खादी संस्थाएं हैं जिनके माध्यम से 4.98 खादी कारीगरों को रोजगार मिल रहा है, जिसमें 80 प्रतिशत के करीब महिलाएं है। बढ़ी हुई पारिश्रमिक से इन्हें आर्थिक रूप से नयी शक्ति मिलेगी। उन्होंनेआगे कहा कि मोदी सरकार में अभी तक 213 प्रतिशत के करीब पारिश्रमिक बढ़ाई गयी है, जोकि इस बात का प्रतीक है कि खादी के माध्यम से ग्रामीण भारत आर्थिक रूप से सशक्त हो रहा है।

कार्यक्रम के दौरान पीएमईजीपी के अंतर्गत देशभर के 3911 लाभार्थियों के खाते में 101 करोड़ रुपये मार्जिन मनी(सब्सिडी) का भी वितरण किया गया। इसके माध्यम से 43,021 नये रोजगार का सृजन हुआ है। साथ ही देशभर में स्थापित1100नयीपीएमईजीपी ईकाइयों का भी शुभारंभ अध्यक्ष केवीआईसी के करकमलों द्वारा किया गया।

पश्चिम रेलवे – राजकोट मण्डल

'SLR/VP के लिज़ींग' अनुबंध हेतु ई-निलामी

पत्र सं. C 78/E-AUCTION/LEASING/Genl./Corrs./2024. Dt.10-09-2024

संदर्भ : ED (FM), RB's पत्र सं. 2022/TC(FM)/10/04 dtd 11-04-2022

उपरोक्त संदर्भ में, 'SLR/VP के लिज़ींग' अनुबंध के लिए ई-निलामी आमंत्रित की जाती है। कैटलॉग पहले ही IREPS वेबसाईट पर प्रकाशित किया जा चुका है। विवरण निम्नानुसार दर्शाए गये हैं।

कैटलोग सं.	अनुबंध का प्रकार	SN	लोट सं.	अनुबंध की अवधि	लॉट समाप्ति की तारीख एवं समय
E-SLR-RJT-4-24	SLR/VP का लिज़ींग	1	22717-SLR-F2-RJT-SC-22-1	02 वर्ष	सभी लोट के लिए ई-निलामी दिनांकः 24/09/2024 को 10:30 बजे शुरू होगी। प्रारंभिक कूलिंग ऑफ समयावधि 30 मिनट है। सफल लॉट बंद होने का मध्यांतर 10 मिनट है। लॉट अनुसार बंद होने का समय आईआरईपीएस की ई-निलामी मॉड्यूल में रहेगा।
		2	22905-22906-VP-1-OKHA-SHM-22-1		

RJT-095

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95